परमेश्वर का चुना हुआ आराधना का स्थान

आइये कुछ क्षण के लिए खड़े रहेंगे, जैसे हम अपने सिरों को प्रार्थना के लिए झुकाते है । अब हमारे झुके हुए सिरों के साथ, मैं भरोसा करता हूँ कि हमारे हृदय भी झुके हुए है। मैं सोचता हूँ, कितने लोग आज रात प्रार्थना में याद करना चाहेंगे? क्या आप अपने हाथ को उठाकर कहेंगे, "परमेश्वर आज रात मुझे वो दिजिये, जिसे मैं तलाश कर रहा हूँ।" परमेश्वर आपको आशीष दे।

2 हमारे स्वर्गीय पिताब हम नम्रता से अब इस महान अनुग्रह के सिंहासन के पास विश्वास के द्वारा आते है, हम उस पार उसके अन्दर बढते है; जहां परमेश्वर, और वे दुत, और वे करुब, और वे सारे स्वर्गीय समुह एक साथ एकत्र हुये है। क्योंकि उसने कहा कि वहां पर एक चिडीयां भी स्वर्गीय पिता के जाने बिना जमीन पर नही गिर सकती है। तो वो यहां पर कितना अधिक जानता है, जब सेकडो लोगों ने अपने सिरों को झुकाया है, और विशेष विनतीयों के लिये आपको पुकार रहे है। पिता, आज रात जरुरतमन्द संसार की ओर देखे, क्योंकि आज हम एक जरूरतमंद लोग है ।

3 और मै प्रार्थना करता हूं परमेश्वर, क्योंकि हम यहां पर एकत्र हुये है और जीवित परमेश्वर में हमारे विश्वास को, आप पर व्यक्त कर रहे है जो प्रार्थना का उत्तर देता है; हम हृदय और कान के खतनारहित संसार के बीच से बाहर आये है, एक अलग जीवन को जीने के लिये बाहर आये है, और उसे जीने के लिए हमारे विश्वास को आपमें अंगीकार कर रहे है । आज रात हमने अपने हाथों को उठाया है, और यह कहते हुये कि "हम जरुरतमन्द है।" प्रिय परमेश्वर हर एक को उनकी विनंती का उत्तर दिजीये।

4 और फिर, पिता, हम प्रार्थना करते है कि आप आज रात हमसे वचन में मुलाकात करेगें। हम यहां पर सुधार के लिये, समझने के लिये आये है, कि हम अब जान सके इस वर्तमान दिन में कैसे जीना है; आगे किस बात के लिए देखना है, क्या करना है। क्योंकि, हम जानते है नबी के पहले से बताये सारे चिन्हों के अनुसार, प्रभु का आगमन नजदीक आ रहा है । हम समय

के नजदीक आ रहे है, प्रभु, जब आपके बच्चों को पुरी तरह से छुटकारा दिया जायेगा। परमेश्वर, हम में हर एक वहां पर होने दीजिये, पिता। वहां एक भी छुटने न पाये। यही हमारा यहां पर होने का उद्देशय है, प्रभु । हम आपसे प्रेम करते है, और हम उस घडी के लिये तैयारी करने की कोशिश कर रहे है।

5 हमसे फिर से आज रात बात करे और इस इमारत में जो बीमार और पीडित है, हम प्रार्थना करते है कि आप उन्हे चंगा करेंगे प्रभु; और विशेषकर उन्हे जो आत्मिक जरुरतो के साथ है। हम प्रार्थना करते है कि आप हर एक खोये हुए प्राण को बचायेगे। हर एक विश्वासी को पवित्र आत्मा से भर दे। और आपके विश्वास करनेवाले बच्चों की शक्ती और सामर्थ को ताजा करें। इन बातों को प्रदान करे पिता। हम बहुतायात से मांगते है, क्योंकि आपने हमे कहा, मांगो "बहुतायात से मांगो, उनमे से, उन महान बांतो को मांगो," जिससे हमारा आनंद पुरा हो सके। और हम उन्हे यीशु के नाम में मांगते है। आमीन।

आप बैठ सकते है।

6 मै निश्चय रुप से यहां इस मंच पर फिर से होने के लिये, इसे महान सौभाग्य समझता हूं, यहां इस उच्च विद्यालय में; इस भले लोगों के सामने जो यहां जो सुसमाचार सुनने के लिये इकट्ठा हुये है। मै अपनी सहायता के लिये परमेश्वर की दया को मांगता हूं ताकि, जहां तक की मैं सच्चाई को जानता हूं आप लोगो को बताऊँ । वो अब भी एक मनुष्य के मुंह को बन्द कर सकता है, वैसे ही जैसे वो एक सिंह के मुंह को बन्द कर सकता है। और यदि मै कभी कुछ भी कहनेकी कोशिश करुंगा जो गलत है और उसके इच्छा के विरुध्द है, मेरी सच्ची प्रार्थना है कि वो मेरे मुंह को बन्द कर देगा, जो मुझे इसे नही बोलना है। क्योंकि सचमुच में, मैं खुद स्वर्ग में रहना चाहता हूँ; और मै वहां कभी नही रहता और इस सबके बावजुद मै एक झुठा अगुवा होता था, कोई तो जिसने कुछ तो गलत ढंग से किया था। यदि मै इसे करता हूं; यह इसलिये है कि मै फर्क को नही जानता। प्रभु आपको आशीष दे।

7 अब, कल सुबह, यदि यह परमेश्वर की इच्छा होगी, तो मै *विवाह और तलाक* के विषय पर बोलने का इरादा रखुंगा। और हम भरोसा करते है की आप अपने कलम और पन्नो को लेकर आयेंगे। हम ज्यादा समय नही

लेंगे, लेकीन मैं इतना चाहता था... जो मेरा यहां इन्डीयाना में वापस आने का पहलाउद्देश था, जिसका मैने आपको यह वायदा किया था । और मै कल सुबह कोशिश करूँगा। यदि मै इसे कल सुबह नही लेता हूं, तो मै कल रात को लुंगा। लेकीन यदि परमेश्वर ने चाहा तो मै कल सुबह इस विषय पर लेने की कोशिश करुंगा; उन दो पाठशालाओं के विचार। और परमेश्वर हमारी सहायता करे ताकि हम जाने कि सच्चाई क्या है; केवल इतना जाने कि सच्चाई क्या है, जिससे हम सत्य और उजियाले में चल सकते है। हम...

8 आप जानते है, मेरा हमेशा ही एक श्वेत मित्र हुआ करता था। उसने मुझसे कहा, "भाई बिली," उसने कहा, "मै—मै नदी पर कोई भी परेशानी को नही चाहता हूं।" उसने कहा, "मै अपने हाथ में मेरी टिकट को चाहता हूं। और जब सीटी बजती है, मै वहां कोई परेशानी नही चाहता। मैने बहुत समय पहले प्रभु से पुछा था, यदि कुछ गलत है तो, मुझे ठीक अभी इसे सही करने दो," कहा, "क्योंकि यह उस सुबह अंधकार और तुफानी होगा, जब जहाज को दुसरी ओर बाहर खीच लिया जाता है," कहा, "मै कोई भी रुकावट को नही चाहता। मै अब इस सब बातों का ध्यान रखना चाहता हूं ।" यही है वो जिसके लिये हम यहां पर है, हर एक रुकावट को ध्यान में रखने की कोशिश करते है, जिससे की हम उस समय पर जहाज पर चल कर जा सकते है।

9 अब, मै आज रात ज्यादा समय नही बोलुंगा, क्योंकि हमारे पास कल दो सभाएं है। और फिर तुरन्त बाद कही और भी जाना है, कही तो और, दुसरे स्थान पर, और सभाओ को लेना है ।

10 लेकिन, अब, मैं व्यवस्थाविवरण में। मैं पहले तीन पदों को पढना चाहता हूँ, व्यवस्थाविवरण 16:1 से लेकर 3 ।

> *आबीब महीने को स्मरण करके अपने परमेश्वर यहोवा के लिये फसह का पर्व्व मानना... (चौथा महीना) क्योंकि आबीब महिने में तेरा परमेश्वर यहोवा रात को तुझे मिस्त्र से निकाल—निकाल लाया।*
>
> *इसलिये जो स्थान यहोवा अपने नाम का निवास ठहराने को चुन लेगा, वही अपने परमेश्वर यहोवा के लिये भेड़–बकरियों और गाय–बैल फसह करके बलि करना।*

11 अब, मेरा आज रात का विषय है: *परमेश्वर का चुना हुआ आराधना का स्थान।*

यदि आप ध्यान दे, आ–बी–ब... –ब महीने का मतलब "अप्रैल" होता है । यह अप्रैल का महीना था, जब उन्हे बाहर लाया गया।

और अब अनोखी बात यह है कि हम परमेश्वर के आराधना करनेवालो की नाई आज रात, इस दिन में जिसमें हम रह रहे है, और हम बहुत से विभिन्न विचारो के लोगो को पाते है। और जब तक वहां पर उन बातों के बारे विभिन्न विचार है, तो वहां पर पुछे गये उस हर एक सवाल का एक सही उत्तर भी होना है।

यदि मै सवाल को पूछता हूँ, "*यह* क्या है? "

"ठीक है," वे कहेंगे, "एक मेज है"

"यह किसलिये है? " समझे?

12 अब, वहां पर हो सकता है कोई तो कहेगा, "यह मेज नही है, यह तो एक तख्ता है।" तो ठीक है, यह एक तख्ता है, लेकीन फिर भी यह एक मेज है। आप देखे, वहां पर इस का एक सही उत्तर होना है।

और यदि मै किसी केभी बारे में सवाल पुछता हूँ, तो उसका एक सही उत्तर होना है। वहां इसके आस–पास का कुछ तो उत्तर हो सकता है; लेकीन वहां पर एक सही उत्तर को होना है, हर एक सवाल का सीधा उत्तर होना है । तो, इसलिये, हर एक सवाल जो हमारे जीवन में आता है, तो वहां पर एक सच्चा, सही उत्तर को होना है।

13 और अब आज, हम इसे—इसे कहते सुनते है, आज संसार में हमारे बहुत सारे लोगों को...

एक मिशनरी की नाई मैंने बहुत सारी समुद्र पार और सारे संसार की यात्रा की है, मै बहुत से विभिन्न धर्मो के संम्पर्क में आया हूं; जैसे की बुध्द, और मोहम्मदीन, और सिख, और जैन और जो कुछ भी संसार के धर्म है। और फिर यहां हमारे खुद संयुक्त राष्ट्र के धर्म; और दुसरे विदेशी धर्म है, हमारे उन सारे विभिन्न कलिसियायों से मिला हूं; जैसे की हमारे संम्प्रदायी कलीसियाओ से, आरंभ में प्राचीन रोमन कैथोलिक के साथ, और फिर युनानी और इत्यादी, और वे—वे विभिन्न धार्मिक रिवाज और फिर वे

सारे उन संस्थागत युग के अन्दर... जो नौ सौ और ऐसे ही कुछ विभिन्न प्रोटेस्टेन्ट संस्थाए है।

अब, उन में से हर एक के पास अध्ययन करते है, आप उनके विचार देख सकते है और मै उन पर दोष नही लगा सकता हूं। हर एक दावा करते है कि वे सच्चे है, उनके पास सच्चाई है। और वे लोग जो उन कलिसिया से ताल्लुक रखते है वे विश्वास करते है, क्योंकि उन्होंने—उन्होंने उस कलिसिया की शिक्षा के ऊपर अपने मंजिल को दांव पर लगा दिया है, जो उनकी अन्नत मंजिल है । और वे एक दुसरे से इतने विभिन्न है, यहां तक कि इससे नौ सौ और ऐसे ही कुछ विभिन्न सवाल बनते है।

इसलिये, नौ सौ और ऐसे ही कुछ विभिन्न सवाल उठे है, वहां पर एक सही उत्तर कोहोना है। और आज रात मै हमारे लिये चाहुंगा, हम जो स्वर्ग में जाने की कोशिश कर रहे है, और हमारे प्रभु यीशु से मिलने की, जिससे हम सब प्रेम करते है। मै इसे पाने के लिये वचनों में ढूँढना चाहुंगा।

14 अब, यदि यह बाइबल का एक सवाल है, तो फिर इसे एक बाइबल का एक सही उत्तर होना चाहिये। इसे ना ही एक मनुष्यों के झुण्ड से आना चाहिए, ना ही किसी विशेष संगती से; या किसी पढे–लिखे से, या किसी संस्था से । इसे तो सीधे वचन से ही आना चाहिये; जहां परमेश्वर के आराधना का स्थान है। और निश्चय ही, परमेश्वर के लिये वहां कही पर तो एक मिलने का स्थान है, जहां पर वो मिलता है।

15 अब, हम यहां इस व्यवस्थाविवरण में देखते है, मुसा आरंभ में वापस वचन का जिक्र कर रहा है, उन बातों को जो उसने उन्हे बताई थी; किस तरह उसने उन्हे एक महान मजबुत हाथों से मिस्त्र में से बाहर निकाला था, और पहले उन्हें स्थापित किया था।

वे "परमेश्वर के लोग" कहलाये गए थे, जब तक वे मिस्त्र से बाहर नही आ गये, और फिर वे "परमेश्वर की कलीसिया" कहलाये गये थे । क्योंकि, एक कलीसिया एक जगह एकत्र होती है या, असल में, *कलीसिया का मतलब* है "वे जो बाहर बुलाये हुये है," वे जिन्हे बाहर बुलाया गया है। और वे मिस्त्र से कलीसिया होने के लिये बाहर बुलाये गए थे।

16 अब परमेश्वर ने उन्हे बताया, जब वे... इससे पहले वे मंदिर को स्थापित करते या जो भी उन्होंने किया, "मै अपनी आराधना के लिये स्थान को चुनुँगा, और मै अपने नाम को इसमे रखूँगा।" और केवल यही

वो स्थान है, जहां पर परमेश्वर किसी से भी मिलेगा, जो उसके द्वारा चुना हुआ था। वो उसके स्थान को चुनता है। और जहां वो उसके स्थान को चुनता है, वो अपने नाम को डालता है। उसका दुसरा पद यह बताता है, "वो अपने नाम को स्थान में डालेगा, जिसे उसने लोगों के लिये चुना था ताकि इसमें आराधना करे।" अब, बात यह है, हम ढुढंना चाहते है, वो स्थान कहां पर है।

17 नौ सौ और ऐसे ही कुछ विभिन्न विचारो के साथ जो है, हम उन सारे गैर ईसाई धर्म को छोडकर और केवल मसीह धर्म के लिए बात कर रहे है । मेरे पास गैर ईसाईयो के लिये जो भावना है या निश्चय ही मै वहां जाकर और उनसे बात नही कर रहा हूँ। लेकीन वे गलत है। मसीहत ही केवल धर्म है जो सच्चा है, जो मसीहत है। और मै इसे इसके लिएसही नही कह रहा हूं क्योंकि मै एक मसीही हूं; क्योंकि मै इसे सच्चा होने का विश्वास करता हूं । यही वो केवल धर्म है, जो सही है।

18 मै उस कब्र की ओर गया हूं, जहां पर वो सफेद घोडा हर चार घंटो में बदला जाता है। जहां मोहम्मद एक बडा याजक और—और मसीह के ठीक बाद जो अगुवा था, जिसे एक नबी माना जाता था, और मै संदेह नही करता, लेकीन वो जो था, ठीक मकाबी भाईयों के बाद था। लेकीन जब वे... वो मरा। उसने दावा किया कि वो वापस जी उठेगा और सारे संसार पर जय पायेगा। अब लगभग हर चार घंटे पर वे पहरेदारो को बदलते है, और वे एक सफेद घोडे को उसकी कब्र पर रखते है।वे दो हजार सालो से उससे अपेक्षा कर रहे है, किवो फिर से उठेगा और संसार पर जय पायेगा। लेकीन आप देखना...

19 और आप बुध्द की ओर जाये; बुध्द सैकडो वर्ष जीया; लगभग तेवीस सौ साल पहले, वो जापान का—का परमेश्वर था। और वो एक दर्शन शास्त्री था, कुछ तो दर्शन शास्त्र के सिदान्त के समान, इत्यादी।

लेकीन यह सब... स्थापना करने वाले और इत्यादी, वे सब अपने दर्शनशास्त्र के साथ और गाडे गये है, और कब्र में है।

लेकीन मसीहत, जिसे यीशु मसीह के द्वारा स्थापित किया गया है, वहां पर एक खाली कब्र है। वो ही केवल ऐसा मनुष्य था जो कभी धरती पर खडा था, और जी उठा और कहा, "मेरे पास मेरे जीवन को लेने की

सामर्थ है और इसे वापस जिलाने की सामर्थ है।" और उसने इसे किया। और वो आज जीवित है।

और हम जानते है कि वो जीवित है क्योंकि वो हमारे साथ है और खुद को स्वाभाविक चिन्हो और चमत्कारो के द्वारा साबित करता है, जिसकी उसने प्रतिज्ञा की, कि वो इसे दिखाने के लिये साबित करेगा। यहां तक वो एक अग्नी के स्तम्भ की नाई जंगल में होते हुये इस्त्राईल के बच्चो की अगुवाई की, यह आज हमारे साथ है, हमारे पास इसकी तस्वीर भी ली गयी है; चिन्हो और चमत्कारो को करते हुये, जिसकी उसने प्रतिज्ञा की थी, कि वो इसे इस दिन में करेगा; सारे वचनों को देख रहे है, जिसकी उसने प्रतिज्ञा की थी, जो इस दिन में प्रमाणित हुई है। इसलिये बाकी का गैर ईसाई संसार बाहर है । यही मसीहत है!

20 अब, वहां परमेश्वर कहां पर मिलता है उसके बारे में नौ सौ और ऐसे ही कुछ हमारे पास सवाल है, "वो मेथोडिस्ट के साथ मिलता है, वो बेपटिस्ट में मिलता है, और वो *इसमें* मिलता है ओर *उसमे,* और *दुसरे* में।" अब, वहां पर एक सवाल है, इसलिये हर एक को अपने खुद के उध्दार को डरते और कांपते हुये ढूँढ़ना है।

लेकीन आज रात में ढूँढ़ने की कोशिश करना चाहता हूं, और वचन में साबित करना चाहता हूँ, की कहां पर वो सही स्थान है जहां परमेश्वर मिलता है और लोगों के साथ आराधना करता है। और, यदि ऐसा होता है तो, यही वो केवल स्थान है, वो हमेशा मिलेगा।

21 अब, हमने व्यवस्थाविवरण से इस शब्द को लिया है। यह एक युनानी शब्द है, जिसका एक मिश्रण मतलब होता है, या इसका मतलब "दो वयवस्था" होता है। वो युनानी शब्द *व्यवस्थाविवरण* का मतलब "दो विभिन्न व्यवस्था" होता है।

और यही है, जो परमेश्वर के पास है, दो विभिन्न व्यवस्था । और उसमें से एक मृत्यु की व्यवस्था है, और दुसरा एक, जीवन की व्यवस्था है । परमेश्वर के पास दो व्यवस्था है। उसका अनुकरण करने के लिए, और उसकी सेवा करने के लिए और उसकी आराधना करने के लिए, जो जीवन है; इसे ठुकराना मृत्यु है । वहां परमेश्वर में दो व्यवस्था है।

22 अब, उन व्यवस्थाओं में से एक... जो संसार के लिये उस सिनै पर्वत पर जाना गया। परमेश्वर ने मुसा और इस्त्राईल को व्यवस्था दी । वो व्यवस्था

उनकी कोई मदद नही पाई, लेकीन उस व्यवस्था ने उन्हे केवल संकेत किया कि वे पापी है। उस समय तक, उन्होने नही जाना था कि पापक्या था; जब तक उनके पास एक व्यवस्था न थी । वहां बिना जुर्माने के एक व्यवस्था नही हो सकती है। एक व्यवस्था, व्यवस्था नही है बिना जुर्माने के। तो इसलिये, "व्यवस्था का उल्लंघन करना तो पाप है, और पाप की मजदुरी मृत्यु है।" तो इसलिये, जब तक परमेश्वर एक व्यवस्था को नही बनाता है, उनके किसी भी पाप को नही गिना गया।

यदि वहां कोई व्यवस्था नही है जो कहती है कि तुम बीस मील प्रति घंटे से तेज नहीं जा सकते हो, तब तुम बीस मील प्रति घंटा से अधिक जा सकते हो । लेकिन यदि वहां पर एक व्यवस्था है, तो तुम इसे नही कर सकते हो, फिर वहां एक व्यवस्था है और इसे करने पर जुर्माना है ।

23 अब, मृत्यु, मृत्यु की व्यवस्था, जो सिनै पर्वत पर आज्ञाओं दिया गया था, जिसने मनुष्य को बताया कि वो एक पापी था। और परमेश्वर के व्यवस्था का उल्लंघन करना, उसे मृत्यु है। लेकीन व्यवस्था में कोई उध्दार नही है। यह... वो केवल एक पुलिसवाला है जो आपको बन्दीगृह में डाल सकता है; इसने आपको इससे बाहर कभी नही लाया था।

लेकीन फिर उसने एक और व्यवस्था को दिया, जो कलवरी पर्वत पर था, जब पाप यीशु मसीह में गिना गया था, और वहां जुर्माने को भरा गया था। और बिना कोई... व्यवस्था के साथ, "लेकीन अनुग्रह के द्वारा आप बचाये गये," परमेश्वर के अनुग्रह के द्वारा, आपके व्यक्तीत्व का परमेश्वर के पूर्व ज्ञान के, पहले से ठहराये जाने के जरिये से है ।

24 अब, हम इन दो व्यवस्थाओं को देखते है, व्यवस्थाविवरण, दो व्यवस्था के बारे को बता रहा है । वहां दो व्यवस्थाए थी। एक मृत्यु की व्यवस्था थी, और दुसरी एक जीवन की व्यवस्था थी।

25 वहां पर लोगों के लिये दो वाचाये भी दी गयी थी। हम उन पर आज सुबह बोलने जा रहा है।

उसमे से एक आदम को शर्त में दिया गया था, "यदि तुम *इसे* करते हो और *ऐसा* नही करना है," लेकीन व्यवस्था को तोडा गया था। आदम और हवा ने अदन के बगीचे में इसे तोड डाला।

तब परमेश्वर ने दुसरी वाचा को बान्धा, और इसे अब्राहम को दिया और यह व्यवस्था बिना किसी शर्त के साथ थी, "यह ऐसा नही है तुमने

क्या किया है या तुम क्या करोगे।" उसने कहा, "मैने इसे पहले से ही कर दिया है।" यही अनुग्रह है। यही जीवन की वयवस्था है। जिसे परमेश्वर ने अब्राहम और उसके बाद उसके आने वाले बीज के लिये किया, यही वो सब है, जो अब्राहम के बीज के लिये है।

जैसे बाइबल ने कहा, "सारा इस्राएल बचाया जायेगा," लेकिन इसका मतलब यहूदी नही है । जैसे पौलुस ने कहा, "वो इस्राएल जो भीतरी है, या इस्राएल बाहरी है।" "बाहरी," जैसे हमने एक रात को बताया था, यह इसहाक के शारीरिक संबंध से आये बच्चे थे । लेकिन परमेश्वर की व्यवस्था मसीह के जरिये से, जो अब्राहम का शाही बीज है, "अनुग्रह के द्वारा सारे इस्राएली बचाए गए है ।" यही है, "सारे जो मसीह में है, वे बचाए गए है," सारी, परमेश्वर की दूसरी वाचा । लेकिन इन सारी बातों ने मसीह को पहले से प्रकट किया।

26 अब, दुसरे पद पर ध्यान दे । यहां व्यवस्थाविवरण 16 के दुसरे पद में, "उस स्थान में आराधना करना, जिसे मैने चुना है।" अब आपको परमेश्वर की आराधना करना ही है, उसने कहा, "उस स्थान में जिसे मैने चुना है," ना ही किसी और का चुनना, लेकीन, "जिसे मैने जो चुना है।"

अब, यदि परमेश्वर एक स्थान को चुनता है, यह हमारे लिए जरुरी है की हम जाने उसने इसके बारे में क्या कहा है।और यह कहाँ पर है? मैं इसे जानना चाहता हूँ, क्योंकि, मैं सचमुच उसकी आराधना करना चाहता हूँ ।

हम सब आज रात उसकी आराधना करने के लिए यहाँ पर है । हम सब आज रात यहां बैठे हुये है, मेथोडिस्ट के रूप में, बेपटिस्ट, कैथोलिक, यहोवा विटनैस, क्रिश्चन साइंस और सारे, लेकीन हम सब कुछ तो ढुंढ रहे है।

हम सत्य को जानना चाहते है। बाइबल ने कहा, "तुम सत्य को जानोगे, और सत्य तुम्हे आजाद करेगा।"

कोई तो, तुम नही जान सकते हो कि तुम क्या कर रहे हो, तुम नही जानते इसे कैसे करना है, तुम जब तक जानोगे नही इसे कैसे करोगे; तुम नही जानते क्या करना है, जब तक तुम नही जानते इसे कैसे करना है, निश्चय है । तुम्हे जानना ही है की तुम क्या कर रहे हो और और इसे कैसे करना है।

27 यह हमे दिखाता है कि परमेश्वर के पास उसकी आराधना करने वालो के लिए मिलने का स्थान है, उस एक विशेष स्थान में। केवल उसी स्थान में, परमेश्वर उसके आराधना करने वालो से मिलता है ।

28 अब, इसी तरह, वो स्थान उसने उसके आराधना करनेवालो के लिये चुना है, उसने दावा किया है कि वो उसके नाम को भी डालेगा। अब आइये हम वचन से ढुढेगे और देखेगे, यह स्थान कहां पर है। निश्चय ही, यदि परमेश्वर ने कहा है, वो अपने नाम को इस स्थान में डालेगा, जहां वो लोगो के साथ मिलता है और उनके साथ आराधना करता है... या मतलब वे उसकी आराधना करते है, यह बाइबल में कही पर तो है; क्योंकि यह सारे युगो के लिये था।

29 और वो महान न बदलनेवाला परमेश्वर बदल नही सकता है। मनुष्य बदलता है। लेकीन आप अपने जीवन को किसी भी बात पर रख सकते है जो परमेश्वरने हमेशा किसी भी समय पर कहा है, क्योंकि यह सच्चाई है। यह सत्य है। क्योंकि यही केवल वो बात है, जिस में, मुझे भरोसा हो सकता है; वो बाइबल है। क्योंकि, मनुष्य का शब्द विफल हो जायेगा, लेकीन परमेश्वर सर्वोत्तम है।

इस वर्ष मुझे बीते वर्ष से अधिक जानना चाहिए। आपको भी हर दिन जानना चाहिए । हम सीमित रहते है, इसलिये हम ज्ञान को बढाते है।

परमेश्वर असीमित है। वो असीमित है । और असीमित व्यक्तिव है, उसका ज्ञान नही बढ़ सकता है । वो शुरुवात से ही सिध्द है। उसका हर एक निर्णय बिल्कुल सही होना है।

30 और जिस तरह से परमेश्वर ने एक समय काम किया था, वो हमेशा ही उसी तरह काम करता है; या तो जब उसने जो पहली बार किया था, वो गलत था। यदि एक मनुष्य उध्दार के लिये परमेश्वर के पास कभी आया है, उस आधार पर जिस पर उसने उसे स्वीकार किया है, इसे हमेशा ही उसी आधार पर स्वीकार करना है । यह सही है । यदि एक मनुष्य कभी परमेश्वर के पास दैविक चंगाई के लिये आया है, और परमेश्वर ने उसे एक नियत आधार पर स्वीकार किया है; जो अगला व्यक्ती आता है, उसे उसी तरह से स्वीकार करना है, या तो उसने जबपहले व्यक्ती को स्वीकार किया वो गलत किया था । परमेश्वर ने एक आधार को बनाया है, जिस पर वो एक मनुष्य से मुलाकात करेगा। उसने एक आधार को बनाया है कि, वो

क्या करेगा, वो इसे कैसे करेगा, और यह अदन के बगीचे में एक मेम्ने के बलिदान हुए लहु के जरिये से हुआ था। परमेश्वर ने कभी भी, किसी भी समय, इसे नही बदला है।

31 उसने निश्चय किया, मनुष्य को वो कैसे बचायेगा । हमने आज कोशिश की है कि मनुष्य को इसमे कैसे प्रशिक्षित करें; हमने उन्हे विद्यादेने की कोशिश की; उन्हे शिक्षा देने की कोशिश की, उन्हे नाम देनेकी कोशिशकी, उन सारी दुसरे प्रकार की बातों की कोशिश की; उन्हे इसमें लाये, उन्हे इसमें मिलाये, उन्हे इसमें बपतिस्मा दे, वहां उन दुसरे तरिको से, उन्हे शब्दो के द्वारा इसमेंलाने की कोशिश की है । लेकीन फिर भी वे वैसे ही रहते है, परमेश्वर एक मनुष्य से उस मेम्ने के बहाये लहु के नीचे मिलता है । वो लहु आदि में परमेश्वर का मार्ग था, और वो लहु आज रात परमेश्वर का मार्ग है । पछतावा करना और वे सारी बातें, यह अच्छी बात है, लेकीन उध्दार केवल लहु के जरिये से ही आता है। लहु ही केवल वो जरिया है जो परमेश्वर ने मनुष्य को बचाने के लिये चुना है, और वो इसे बदल नही सकता है।

32 अय्यूब के पास यही बात थी। वो जानता था कि वो एक धर्मी था, क्योंकि उसने उस—उस बलिदान को चढाया था, जिसकी परमेश्वर को उससे आवश्यकता थी।

33 अब, आइये अब हम ढुंढेगे ताकि देखे कि वो स्थान क्या है, और उस स्थान को, जिसमें उसने अपने नाम को डाला है। हमारे पास यह होने जा रहा है, यह देखने के लिए कि वो अपने नाम को कहां पर डालता है। फिर, यदिहम देख लेते है कि परमेश्वर का क्या नाम है, वो अपने नाम को कहां पर डालता है, तब हमारे पास वो आराधना का स्थान होगा, जैसे ही हम इसे पा लेते है।

निश्चय ही ये सारी चीजे, उन आने वाली बातों की छाया थी। वो सारी व्यवस्था आने वाली बातों की पुर्व छाया को दिखा रहे थी।

34 बिलकुल वैसे ही जैसे, वो चन्द्रमा सुर्य की एक छाया है। यह सुर्य की अनुपस्थिति में काम करता है, बिल्कुल वैसे ही जैसे कलिसिया परमेश्वर के पुत्र S–o–n की अनुपस्थिति में कार्य करती है। पुत्र की अनुपस्थिति में, वो तीव्र प्रकाश, वो कलीसिया, वे विश्वासी, परमेश्वर की सेवा करते है और पुत्र की अनुपस्थिति में प्रकाश देते है । लेकीन जब सुर्य उदित होता है,

अब और आप चन्द्रमा को नही देखते है, क्योंकि वो नीचे जा चुका है। अब उसके प्रकाश की और अधिक आवश्यकता नही है; क्योंकि उसका प्रकाश सुर्य के जाने के बाद दुसरे क्रम में ही मिलता है। अब, जैसे पति और पत्नी है, सुर्य और चन्द्रमा है, कलीसिया और मसीह है ।

35 अब हम देखते है कि यह चीजे मसीह की छाया रहीहै । हर एक बलिदान, पर्व, और पुराने नियम में वे सारी बातें, मसीह की पुर्व छाया थी; बिलकुल वैसे ही जैसे जमीन पर चारो ओर छाया फैलती है । अब यही पर हमारे पास आराधना का सही स्थान होने जा रहा है; यहां पुराने नियम में जायेगे, जहां पर यह दिया गया था और देखेगे वे बातें क्या थी।

36 अब, जब एक छाया जमीन पर फैल जाती है, आप बता सकते है, कि या तो यह पुरुष की एक छाया है, स्त्री की, पशु की, या जो भी हो सकता है, क्योंकि यह जमीन के ऊपर फैलती है। और जैसे वो छाया होती जाती है, वो छाया निगेटिव होती है; और बिना एक वास्तविकता के निगेटिव नही होता है। इसलिये, जब वास्तविकता नेगेटिव के नजदीक आती जाती है, वो निगेटिव वास्तविकता में एक हो जाता है। वो छाया और वास्तविकता एक साथ आ जाते है, और तब यही है वो जो इसे वास्तविक बनाता है।

और यदि "वे सारी पुरानी बातें," बाइबल ने कहा, "पुराने नियम में वे आने वाली बातों की छाया थी," तो इसलिये मसीह उन आने वाली बातों की छाया थी।

37 इसलिये हम देख सकते है, उन पुराने नियम के नमुनो के द्वारा, जहाँ वो अपने नाम को डालने के लिये चुनता है, और... अभी के लिये। अब, जैसे वो छाया जमीन पर पडती है, मैने कहा निगेटिव वो एक नमुना रहा है। इसलिये हम, जो आराधना करने वाले है, पुराना नियम को नए नियम की वास्तविकताके अन्दर धुंधला होते भी देख सकते है ।

38 अब, वे सारे पर्व, वे छुट्टीया, सारे भवन, ये सारी लकडीया, सबकुछ जो भवन में है हर एक चीज मसीह का नमुना था। सारी भेटे, सारी वयवस्थाऐ हर एक चीज मसीह का नमुना है । हम समय दर समय यहाँ इस भवन इन बातों से होते हुए आये है ।

तब हम देखते है, इसके द्वारा, जो हर एक संस्था, कलीसिया, हर एक सम्प्रदायेपूरी तरह से पीछे छुट गयी है। ये यहाँ तक दौड़ में है । भी नही

उसके लिये और कोई स्थान नही है। हर एक संस्था, हर एक कलीसिया, हर एक सम्प्रदाये पूरी तरह से बाहर निकल गयी है। अब उनके लिए कोई स्थान नहीं बचा है।

39 पुराने नियम में इसका कुछ भी का नमुना नही था, या कलीसिया की बाइबल के अन्दर कही भी नही है, लेकीन बाबुल के मिनार की बलपूर्ण एकता थी। क्योंकि, यह निम्रोद के द्वारा हुआ था, एक दुष्ट व्यक्ती जिसने जाकर और सारे छोटे देशो को इस एक स्थान के अन्दर आने के लिये दबाव डाला और यह वो बडी मिनार थी । निश्चय ही, यह एक धर्म की आराधना थी, लेकीन परमेश्वर के वचन को सोच में रखकर नही था।इसलिये यही है जहाँ आप धार्मिक संगठनाओ के धर्म के नमुने को देखते है, जो पुराने नियम में वो बाबुल की मिनार है। जो कि यह धर्म निश्चय ही एक धर्म था, लेकीन परमेश्वर के वचन का धर्म नही है।

40 परमेश्वर ने किसी भी संस्था में, अपने नाम को डालने के लिये नही चुना है। यदि ऐसा है तो लेकिन मैं इसे वचन से देखना चाहता हूं। मै जानता हूं कि वे दावा करते है उसके पास है लेकिन उसके पास नही है । वो अपने नाम को बहुत से स्थानो में नही डाल सकता है, क्योंकि उसने कहा वो अपने नाम को एक स्थान में डालता है। और वो एक स्थान, हर एक हमारी संस्थाऐ कहना चाहती है कि वो वे वही स्थान है, लेकीन यह इसके विपरित है।

लेकीन उसने अपने नाम को कहां रखा?

41 अब, और, उसका, पहले तो उसका नाम क्या है? हमें (नाम) को जानना होगा कि परमेश्वर का क्या नाम क्या है, इससे पहले हम जान सकते है कि वो क्या है, वो जिस स्थान में नाम को डाल रहा है।

अब, हम देखते है कि उसके बहुत सारे शिर्षक है। उसे बुलाया गया... उसे "पिता" बुलाया गया, जो एक शिर्षक है। और उसे "पुत्र" बुलाया गया, जो एक शिर्षक है। उसे "पवित्र आत्मा" बुलाया गया, जो एक शिर्षक है। उसे "शारोन का गुलाब" बुलाया गया, जो एक शिर्षक है। "सोसन का फुल" एक शिर्षक है। "भोर का तारा।" "यहोवा यीरे, यहोवा राफा," सात विभिन्न मिश्रित, छुटकारे के नाम और उनमें से सब शिर्षक थे। उनमें से काई भी नाम नही था।

लेकीन उसका एक नाम है।

42 जब वो मुसा से मिला, उसका अब तक एक नाम नही था, और उसने मुसा से कहा "मै जो हूं सो हूं।" और जब यीशु को धरती पर इब्रानियों के छठे अध्याय में बोलते हुये देखते है... मै आपसे क्षमा चाहता हूं, संत युहन्ना का 6 वे अध्याय में। उसने कहा, "मै जो हूं सो हूं।"

उन्होंने कहा, "क्यों, तुम एक मनुष्य हो जो पच्चास वर्ष से ऊपर नही हो, और यह कहते हो कि 'तुमने अब्राहम को देखा है'? "

43 उसने कहा, "इससे पहले अब्राहम था, मै हूं।" और "मैं हूं" वो ही एक था जो जलती हुई झाडियों में, वो अग्नि का स्तम्भ में, जो वहां पहले मुसा के दिनों में जलती हुई झाडियो में था, वो "मैं जो हूं सो हूं।"

44 और अब देखते है कि यीशु ने यह भी कहा "मै पिता के नाम से नाम से आया हूं, और तुम मुझे ग्रहण नही करते।" तब, पिता का नाम यीशु ही होना है। यह सही है। पिता का नाम यीशु है, कारण यीशु ने ऐसा कहा। "मै अपने पिता के नाम के साथ हूं। मै मेरे पिता के नाम मे आया हूं, और तुम मुझे ग्रहण नही करते।" तब उसका नाम यीशु था।

और जिब्राइल ने उसे यीशु करके बुलाया, नबीयों ने उसे यीशु कहा और निश्चित रूप से वो यीशु ही था। उसके जन्म से पहले पवित्र नबी ने भी उसका नाम *इम्मानुएल* करके बुलाया, जिसका मतलब "परमेश्वर हमारे साथ" है। फिर "परमेश्वर संसार के पाप को दुर करने के लिये देह में प्रकट हुआ" और ऐसा करने के लिए, उसे यीशु का नाम दिया गया था। इसलिये यीशु वो नाम है।

और वो नाम को एक मनुष्य में रखा गया था; ना ही एक कलीसिया में, ना ही एक संस्था में, ना ही एक संम्प्रदाय में, लेकीन एक मनुष्य में! वो उसके नाम को रखने के लिए यीशु मसीह को चुनता है । अब हम पाते है कि तब वो परमेश्वर के आराधना का स्थान बनता है, जहां आप उसकी आराधना करते है।

45 उससे पहले की उसका जन्म हो, उसका नाम यीशु बुलाया गया। यह बहुत ही महत्वपुर्ण था, इसे जिब्राईल दुत के द्वारा उसकी मां को दिया गया था, कि उसका नाम, "यीशु, परमेश्वर का पुत्र बुलाया जायेगा", जो वा था।

46 तब, यह हमारे पास था। सिर्फ यही है वो । यही सिर्फ उसके लिये है, जो परमेश्वर का चुना हुआ आराधना का स्थान है। परमेश्वर का चुना

स्थान। जो परमेश्वर ने मुनष्य से मिलने के लिये चुना है; यह कलीसिया में नही था, एक संस्था में नही, एक संम्प्रदाय में नही, लेकीन मसीह में। यही केवल स्थान है जहाँ परमेश्वर एक मनुष्य से मिलेगा, और वो मसीह में परमेश्वर की आराधना कर सकता है। यही केवल वो स्थान है। कोई महत्व नही रखता, यदि आप मेथोडिस्ट है, बेपटिस्ट है, कैथोलिक है, प्रोटेस्टन्ट आप जो कुछ भी होने दो, वहां केवल एक ही स्थान है, जहाँ आप सही तरीके से परमेश्वर की आराधना कर सकते है, वो मसीह में है।

रोमियो 8:1, ने कहा, "अब उन पर कोई दोष नही है जो मसीह यीशु में है, जो शरीर के नही, लेकीन आत्मा के चलाये चलते है।" यही वो सुसमाचार है।

47 हम संम्प्रदायो पर विभिन्न हो सकते है। हम मनुष्य की बनाई शिक्षाओ पर विभिन्न हो सकते है। आप एक मेथोडिस्ट कलीसिया जा सकते है, आप एक मेथोडिस्ट बन सकते है; एक बेपटिस्ट, एक बेपटिस्ट बन सकते है; एक कैथोलिक, एक कैथोलिक बन सकते है। लेकीन जब आप एक बार मसीह के अन्दर बपतिस्मा लेते है, और उसके देह, के अंग बन जाते है, तब वहां पर कोई भी विभिन्नता नही रहती है। वे मध्य की दिवारे टुट कर गिर जाती है और आप आजाद हो जाते है क्योंकि आप मसीह यीशु में है। और आप परमेश्वर की आराधना आत्मा और सच्चाई में करते है, जब आप मसीह यीशु में हाते है । यह परमेश्वर की आपके लिये योजना है ताकि आप उसकी मसीह यीशु में आराधना करे।

48 अब, कोई संस्थागत कलीसिया इसे दावा नही कर सकती है, कोई भी उसे दावा नही कर सकती है। तुम्हारी इस तरह के दावा करने की हिम्मत कैसे होती है? इस तरह की बात को करना तो एक मसीह विरोधी की आत्मा ही होगी, मसीह से दुर ले जाती है; ताकि उसमे से बाहर करे। आप ऐसा नही कर सकते है। मसीह ही केवल वो स्थान है, जहां पर परमेश्वर आराधना करनेवालो

49 वे आज कहते है । मेरे पास मुझे बताने के लिये लोग थे। ज्यादा समय नही हुआ, एक व्यक्ती ने मुझे ब्युमोन्ट, टेक्सास मे बुलाया। उसने कहा, "मिस्टर ब्रन्हम, यदि आपका नाम हमारे कलीसिया की किताब में नही है, आप स्वर्ग नही जा सकते है।" क्या आप कभी ऐसा सोचोगे? आप इस तरह की बात को विश्वास मत करना। वे सोचते है आपको उस एक फलां

कलीसिया से ताल्लुक रखना है या तो आप स्वर्ग नही जा सकते है। यह गलत है। ऐसा सोचना, मसीह विरोधी है। मै यह कहूँगा: यदि आप इस प्रकार की आत्मा पर विश्वास करते है, आप खो गए है। यह एक अच्छा चिन्ह है कि आप खो गए है, क्योंकि यह आपको जो परमेश्वर ने किया है उससे दुर लेकर जा रहा है। परमेश्वर ने कभी भी उसके नाम को किसी कलीसिया में नही डाला है। उसने इसे उसके पुत्र में डाला है, जो यीशु मसीह है, जब वो और उसका पुत्र एक बन जाते है। यही वो सच्चा आराधना का स्थान है कोई और बुनियाद को नही डाला गया था, कोई और चट्टान नही।

मसीह पर जो मजबुत चट्टान है, मैं खड़ा हूँ;
वे सारी दूसरी जमीने धसती हुई रेत है।

संस्थाये चुर—चुर होकर और गिर गई है, राष्ट्र टल जायेगे, लेकीन वो सदा बना रहेगा। कोई और स्थान नही है जो मनुष्य परमेश्वर की आराधना करने के लिए पा सकता है, कि परमेश्वर उससे वापस बात करेगा, यीशु मसीह को छोड और कोई स्थान नही है । केवल वही वो स्थान है, केवल वही स्थान जहां परमेश्वर अपने नाम को डालने के लिये चुनता है और वो ही स्थान है जहां वो मनुष्य से मिलता है, ताकि आराधना करे। आप खो जाते है, किसी भी और चीज पर विश्वास करने से।

50 ध्यान दे, सारे सात यहुदी के पर्व उसी स्थान में रखे गये थे। उन्होने कभी भी एक पर्व को *यहां* मेथोडिस्ट के लिये नही रखा, और एक *यहां* पर बेपटिस्ट के लिये नही रखा, एक *वहां* पर प्रेस्पीटेरियन के लिये नही रखा, एक *यहां* पीछे कैथोलिक के लिये और एक प्रोटेस्टन के लिये । वे सारे सात पर्व उस एक स्थान में रखे गये थे।

51 यहां पर यह एक बहुत ही सुंदर नमुना है। हम सात कलीसिया के यूगो से होकर गुजरे है, जो दिखा रहे है कि परमेश्वर सारे सात कलीसिया के युगों को वचन में रखता है, क्योंकि हर एक कलीसिया के युग ने वचन के भाग को उत्पन्न किया और जब कभी उन्होने इसे उत्पन्न किया उन्होंने प्रकाश को देखा।

बिलकुल वैसे ही जैसे वे लोग जिन्होंने यीशु के नाम में बपतिस्मे को खोजा। उन्होने क्या किया? उन्होने इसमे से एक संस्था को बना दिया, और वे वही पर मर गये। फिर परमेश्वर ठीक तभी किसी और की तरफ आगे बढ गया। वो उनमें से एक भी संस्थाओ और संम्प्रदायो में नही रुकेगा।

उसका इसके साथ कुछ लेना देना नही है। वहां परमेश्वर के बारे में कुछ भी दूषित नही है। परमेश्वर पवित्र है, मिलावट रहित है मसीह परमेश्वर के आराधना का मध्य स्थान है। वो परमेश्वर है।

52 सारे सात पर्वो को इस एक स्थान में ही रखा जाना होगा । आप पर्व को किसी और स्थान में नही रख सकते है । लेकीन उन सातो... साल के सात पर्वो को एक स्थान में रखा जाना ही है। इसलिये सात कलिसिया के युगो को उस एक ही स्थान से आना था, वो मसीह था जो सारे सात कलीसिया युगो में बोल रहा था। यह बिल्कुल सही है। सात कलीसिया के युगो का नमुना, लेकीन उन्होने इसमें से संस्थाओ को बनाया।

53 अब आइये एक और नमुने पर देखे जब हम यहां इसके साथ है, यही इस पर्व का नमुना है, जिसने यीशु की पुर्व छाया को दिखाया । हम यहां मृत्यु के द्वारा उस लहु के बलिदान पर ध्यान देंगे । लहु का बलिदान वो स्थान था जो मसीह की पुर्व छाया थी। क्या एक संस्था लहु बहा सकती है; क्या आप एक कलीसिया के बहते लहु को सोच सकते है, एक संस्थागत का लहु बह रहा है? निश्चय ही नही। इसने लहु को लिया है, ताकि जीवन से लहु बहे। और, वो जीवन, उस मेम्ने के द्वारा यहां येशु दृश्य में आता है। वो मेम्ना मसीह का एक नमुना था और मसीह के पुर्व छाया को दिखाया, क्योंकि वो "परमेश्वर का मेम्ना था," जिसका युहन्ना ने परिचय कराया, "जो संसार के पाप को दुर ले जाता है।" हम यीशु को यहां निर्गमन 12 अध्याय में दृश्य पर आते हुये देखते है।

54 ध्यान दे, यही केवल वो स्थान था जहां मृत्यु नही आ सकती है । जब मृत्यु देश पर आने वाली ही थी, वहां एक निर्धारित स्थान को होना था; सब इस मृत्यु के नीचे से है। केवल एक ही स्थान! अब इसका मतलब यह नही हुआ यह एक घर था; लेकीन वहां पर एक स्थान था, यही है, जहां मेम्ना घात हुआ था। जहाँ मेम्ने का लहु बहा था, वो मृत्यु का दूत नही आ सकता है, क्योंकि यह वो एक स्थान था, परमेश्वर ने अपने नाम को डाला था । और वो मेम्ने का वहां आदि में नाम को रखा गया था, एक मेम्ना । ध्यान दे। ध्यान दे, यह वो एक स्थान था वो नही आ सकता है।

55 और अब आज भी ऐसा ही है। वहां केवल एक ही स्थान है, जहां मृत्यु नही आ सकती है, वो वचन है। मृत्यु वचन पर नही आ सकती है। क्योंकि यह परमेश्वर का जीवीत वचन है।

लेकीन जब आप इसके साथ संम्प्रदाय को रखते है, वचन अपने आप ही बाहर निकल जाता है। यह पानी से तेल के जैसे अलग कर देगा। आप दोनो को एक साथ नही मिला सकते है। इसलिये, आप देखना, जब संम्प्रदाय एक संस्था के अन्दर आती है, वे सब संम्प्रदाय के पीछे चले जाते है; और वो वचन खत्म हो जाता है; और किसी और के साथ चला जाता है और उसे और अधिक बढाता है। गति को तेज कर देता है, जैसे यह धर्मीकरण से पवित्रकरण को बढता है, फिर पवित्र आत्मा का बपतिस्मा और बढ़कर दाने के अन्दर निकलता है! क्या आप रास्ते को देखते है जो परमेश्वर चला है? अपने नाम को ला रहा है, उन सारे समय से लेकर, ठीक उसी तरह से, क्योंकि वो वचन है।

ध्यान रखना, यह नही मर सकता है। वचन का जीवन नही मर सकता है।

56 ध्यान दे, अब यह कितना सिद्ध है। उस मृत्यु के दूत को उन मिस्त्र के बुद्धिमान लोगो को मारने के लिए मना नही किया था। उसके पवित्र देश, इसकी बड़ी इमारतों, इसके फिरोन को मारने के लिए मना नही किया था। या वे उस देश के याजक है, उस दूत को उन्हें मारने के लिए मना नही किया था । यह किसी भी ईमारत, कोई भी स्थान, किसी पर भी आ सकती है, लेकीन यह जहां पर मेम्ना था, वहां पर नही आ सकती है।

मृत्यु वहां पर नही आ सकती है, जहां परमेश्वर का वो नियोजीत किया हुआ स्थान है, और वो मेम्ने में है।

57 ध्यान दे, यहां तक कि... उसने इस्त्राइल या उसके इब्रानी याजको को मारने से भी मना नही किया था और, या उनकी कोई भी संस्था हो । सबको परमेश्वर के चुने हुये, नियुक्त किये हुये स्थान में होना ही है; या तो मृत्यु आ जायेगी।

58 कलीसिया, आप जहाँ कहीं पर भी हो, आप किसी से भी ताल्लुक रखते हो, मुझे कोई फर्क नही पडता है। लेकीन, वहां पर एक चीज है जो तुम्हे जानना जरुरी है, आपको मसीह में होना है नही तो आप मरे हुये है। आप उसके बाहर नही जी सकते है। हो सकता है एक इमारत के जैसे आपकी कलीसिया सही हो; हो सकता है आपकी संगती मनुष्य की नाई सही हो। लेकीन जब आप उस देह को, उस लहु का, यीशु मसीह के वचन को इन्कार करते है, आप ऐसा करने पर, उसी मिनट मर जाते है। यह परमेश्वर के

आराधना का चुना हुआ स्थान है। यही है जहां वास्तव में उसका नाम है। यही है, जहां वो उसके नाम को डालने के लिये चुनता है; कलीसिया में नही, लेकीन पुत्र में, जो यीशु मसीह है।

59 ध्यान दे, सुरक्षा उसके केवल चुने हुये स्थान में रखी गयी है, उसके मेम्ने में, और मेम्ने के नाम में रखी गयी है।

60 ध्यान दे, यह एक "नर" मेम्ना था, वो (he) नर है, एक (her) मादा नही । एक कलिसिया नही, जो मादा है; लेकीन उसका (his) नाम है, (her) मादा का नाम नही है। जहां पर वो लोगो से मिलने जा रहा था, मादा के नाम में नही लेकीन नर के नाम में, नर, जो मेम्ना है!

61 अब हम कहते है, "वो कलीसिया, वो महान सामर्थी कलीसिया, (she) उसने *ऐसा* किया, उसने *वैसा* किया । (she) उसने धावा बोला है। हम जनसंख्या में बढ गये। हम संख्या में बहुत है। हम एक सामर्थी कलीसिया है। वो एक बड़ी चीज है।"

लेकीन परमेश्वर ने कभी एक मादा के बारे में कुछ भी नही कहा है। उसने कहा, "नर।" "नर" वो मिलने का स्थान है, जो मेम्ना है, कलीसिया नही। मादा का नाम नही, लेकीन नर का नाम। उसने मादा का नाम कही पर भी नही डाला । वो उसके नाम को "नर" में रखता है।

इसीलिये, "जो भी हम करते है, या तो वचन या तो कार्य, हमें यह सब यीशु मसीह के नाम से ही करना है।" यदि हम प्रार्थना करते है, हमे यीशु के नाम में करना है। यदि हम निवेदन करते है, हमे यीशु के नाम में मांगना है। यदि हम चलते है, हमे यीशु के नाम में चलना है। यदि हम बोलते है, यीशु के नाम में बोलना है । यदि हम बपतिस्मा लेते है, हमे यीशु के नाम में बपतिस्मा को लेना है। क्योंकि, "वो सब जो हम वचन या कार्य में करते है इसे यीशु मसीह के नाम में करते है।"

62 एक व्यक्ती ने मुझसे एक समय कहा, वो यह वार्तालाप कर रहा था, उसने कहा, "भाई ब्रंहम, मेरी पत्नी, मैं नही... " उसने कहा, "उस स्त्री का नाम, *फलां, फलां* है।" वो व्यक्ती एक सेवक है, हो सकता है कि वो यहां पर अभी बैठा हुआ हो । और उसने कहा, "मेरी पत्नी" कहा, "उसे मेरा नाम मिला है।" मै ऐसे ही समझ लो कहता हूँ *जोन्स*, क्योंकि यह जोन्स नही था। उसने कहा, "अब उसे हर सुबह उठकर झाडु को लेकर यह नही कहना है, 'अब मै जोन्स के नाम में जमीन को साफ करती हूं, और जोन्स

के नाम में बर्तन को साफ करती हूं, और जोन्स के नाम में कपडो में पेबन्द लगाती हूं।'" उसने कहा "मै नही सोचता हूं तुम्हे कोई नाम को लेने की अब जरुरत है।"

मैने कहा, "मै सोचता हूं कि तुम्हे करना है।" यह सही है।

और उसने कहा, "तो ठीक है, क्यों? " उसे इसे क्यो नही कहना है। हर एक चीज की शुरुवात जोन्स के नाम से करना है।

63 मैने कहा, "लेकीन तुम उसे ऐसे ही जाकर और एक सड़क पर से उठाकर नही लेकर आये हो, और उसने ये कहा हो, 'चलो जोन्स।' उसके साथ पहले एक समारोह को होना था, 'जोन्स' के साथ एक विवाह का समारोह को होना है । यदि वो ऐसा नही करती है, तो तुम व्यभिचार में जी रहे हो। और यदि आपने कोई और तरिके से बपतिस्मा लिया है, लेकीन यीशु मसीह के नाम से नही है, तो यह एक व्यभिचारी बपतिस्मा है, जो बाइबल में नही पाया जाता है।"

फिर "जो भी तुम वचन में और कार्यो में करते हो, इन सबको यीशु के नाम में करो," उसके बाद तुम जो करो। लेकीन पहले तुम्हे उसके नाम में आना है।

64 इस इमारत में बहुत सी भली महिलाये है, अच्छी, सभ्य महिलाये; लेकीन वहां एक ही श्रीमती ब्रन्हम है। वो ही एक मेरे साथ घर जाती है। वो ही एक है, जो मेरी पत्नी है।

65 संसार में अच्छे लोग है, अच्छी कलीसियाये है; लेकीन वहां एक ही श्रीमती यीशु मसीह है, और वही है जिसके लिये वो आ रहा है। यही है जहां वो अपने नाम को रखता है। वही है जहां पर उसकी आराधना है, उस में और केवल उसी में है। यह सच है। ओह, हां श्रीमान। हम उसे सच होता देखते है।

66 अब, इसलिये हम "जो सब हम वचन या कार्य में करते है, हम इसे यीशु मसीह के नाम में करते है।"

"उध्दार के लिये केवल यीशु मसीह को छोड, कोई और नाम आकाश के नीचे नही दिया गया है।" प्रेरितो के काम, 2 रा अध्याय यह कहता है कि "क्योंकि तुम यह जान लो... " और किसी दूसरे के द्वारा उद्धार नही, क्योंकि स्वर्ग के नीचे मनुष्यों में और कोई दूसरा नाम नही दिया गया, जिस

के द्वारा हम उद्धार पा सके ।" आमीन। मै आशा करता हूं आपने इसे समझा। यीशु मसीह का नाम, हर एक...

सबसे ऊंचे स्वर्ग ने उसे नाम दिया, "सारा घराना, जो स्वर्ग में है यीशु नाम है," बाइबल ने कहा, "और सारी धरती के घराने का नाम यीशु है।" इसलिये यही परमेश्वर का चुना हुआ नाम है और जहां उसने इसे डाला है। यही उसका आराधना का स्थान है, जो यीशु मसीह में है । अब, हम जानते है कि ऐसा ही होगा, केवल उसे में छोड, आराधना के लिये कोई और स्थान नही है ।

67 "और किसी दूसरे के द्वारा उद्धार नही, क्योंकि स्वर्ग के नीचे मनुष्यों में और कोई दूसरा नाम नहीं दिया गया, जिस के द्वारा हम उद्धार पा सकें" उसका परमेश्वर के छुटकारे का नाम है। (his) वो परमेश्वर के छुटकारे का नाम है परमेश्वर का एक नाम है जो यहोवा यीरे, यहोवा राफा, यहोवा यीरे कहलाया गया ।"प्रभु तेरे सारे पापों को क्षमा करता है।" *यहोवा राफा*, "प्रभु तेरे सारे रोगों को चंगा करता है।" उसके बहुत सारे शिर्षक है।लेकीन उसके पास एक छुटकारे का नाम है, जो मनुष्य जाती से संबंध रखता है, और वो नाम है "यीशु" यही उस का नाम है, जिसे वो डालने के लिये चुनता है।उसने इसे कहाँ पर रखा? उसने इसे मसीह में रखा।

68 वे सारे दुसरे कलीसिया के नाम है, संम्प्रदाय, उनके शिर्षको पर भरोसा करना मृत्यु है।आपको स्वर्ग लेकर जाने केलिये, आप मेथोडिस्ट कलीसिया पर भरोसा कर रहे है, आप खो गये है। यदि आप पेन्टीकोस्टल के ऊपर भरोसा कर रहे है, वो पेन्टीकोस्टल कलीसिया जो आपको स्वर्ग ले जायेगी, आप खो हो गये है। और बेपटिस्ट, लुथरन, प्रेसबीटेरियन, कैथोलिक या दुसरी कलीसिया; आप उनके नाम पर या उनके शिर्षक पर या उन के संम्प्रदाय पर भरोसा कर रहे है, आप खो हो गये है।

क्योंकि, आप आराधना भी नही कर सकते है जब तक आप पहले आराधना के स्थान के अन्दर नही आते है। आमीन। यही केवल वो स्थान है, परमेश्वर आराधना करनेवालो से मिलता है, यही वो स्थान है वो अपने नाम को डालने के लिये चुनता है। सारे दुसरे, जिसमें आप भरोसा करते है, तो आप मर जायेगें ।वो...

69 एक और यीशु की छाया यहां पर है, मैने यहां पर वचन पर निशान लगाया है।उसकी—उसकी पुर्व छाया यहां पर भी है, "वो एक बिना एक

दोष के ही होनाहै।" वो स्थान जहां वो उसके नाम को डालता है, उसमे मेम्ने को बिना एक दोष के ही होना होगा।

अब, कौन सी संस्था या सिदान्त के लिए यह इशारा कर सकते है; कौन सी कलीसिया, कैथोलिक, प्रोटेस्टन, यहुदी, यह जो कोई भी है? कौन सा सिदान्त, संस्था, आप इसके लिए इशारा कर सकते है कि, "यह बिना किसी दोष के है? " यह सारे ठुकराये और अस्वीकृत किये हुये है!

लेकीन वहां पर एक स्थान है! हाल्लेलुया! वो स्थान यीशु मसीह में है। उस पर कोई एक दोष नही है। उसमें कोई गलती नही है।

आप यह इशारा नही कर सकते है। वे सारे लोग जो ऐसा करने की कोशिश करते है, वे कहते है कि उन की कलीसिया बिना किसी गलती के औरउनसबबातों के है।यह भ्रष्ट है, वचन को तोडनेवाले है, चाहनेवाले, अधमरे, लौदकिया, संम्प्रदाय, लेकीन यह सचाई नही है। लेकीन यहां तक पिलातुस भीखुदउसका शत्रु थाउसने कहा, "मै उस में कोई गलती नही देखता हूं।" उसके खुद के शत्रु ने गवाही दी कि वहां उसमें कोई गलती नही थी । आप उस पर कोई पाप को नही दिखा सकते है।

70 उसने अपने दिनों के याजको से कहा, "तुम में कौन मुझ पर दोष लगा सकता है? कौन मुझे दिखा सकता है कि मैं पापी हूं? "

मुझे एक कलीसिया बताओ जो कह सकती है कि उन्होने कभी भी कुछ गलत नही किया है। खुले रुप से कहूँ, मुश्कील से उनमे से एक भी नही है, लेकिन जो भी हत्याऐ और जो कुछ भी उन्होंने किया है वो तारीखों में है, मुश्कील से कोई है । तब, वे फिर भी खुद को कहते है... इसलिए यह परमेश्वर के आराधना का स्थान नही है, किसी संप्रदाय में या संस्था में।

71 मेरे मित्रों, मैं आपकी भावनाओ को दुख नही देना चाहता हूं, लेकीन मै एक सन्देश के लिये जिम्मेदार हूं, और, वो सन्देश है, "इस गडबडी में बाहर आओ!" और यदि मै आपसे बाहर आने के लिये कहता हूं, तोमै आपको कहां पर लेकर जा रहा हूं? क्या मै आपको ब्रन्हम टेबरनेकल लेकर जाऊंगा? ये उतना ही गलत है जितना की वे बाकी के लोग है।"

लेकीन वहां पर एक स्थान है, मैं आपको लेकर जा सकता हूं, जहां आप मृत्यु से सुरक्षित और बचे हुये होते है, वो यीशु मसीह में है, जो परमेश्वर के आराधना का स्थान है । यही वो स्थान है, जिसका मैं आज रात आपको

परिचय करा रहा हूं, जहां परमेश्वर अपने नाम को डालता है। जहां उसने हर एक व्यक्ती से मुलाकात करने की प्रतिज्ञा की है, जो वहां पर आते है, वो उनके साथ आराधना करेगा और उनके साथ भोजन करेगा, जो मसीह में है; ना ही कलीसिया में, ना ही भवन में ।

लेकीन, मसीह में, वो परमेश्वर का भवन है। मसीह वो स्थान है जिसमे परमेश्वर खुद आया, और उसमें वास किया। "यह मेरा प्रिय पुत्र, जिसमें रहने से मैं अति प्रसन्न हूं।" यही है जहां परमेश्वर का भवन है, वो अपने नाम को लाकर और इसे यीशु मसीह पर डाल दिया। इसलिये, उसके नाम को एक मनुष्य में डाला गया था, उसके पुत्र में, जो यीशु मसीह है, जिस में उसने खुद वास किया; और उस भवन में।

जहां, वो उस प्राचीन यरुशेलम में का एक नमुना है; वो प्राचीन पर्व, वो प्राचीन मंदिर, एक नमुना थे; जब उस में सेधुआं उठने लगा, उस दिन वो वाचा का संदुक अन्दर चला गया और स्थापित किया गया और इसमे से परमेश्वर का आवाज सुना गया था।

तो परमेश्वर की आवाज को सुना गया था, भवन के अन्दर आ रही थी, यीशु मसीह; जो पुराना नियम (स्वाभाविक रूप से) नये नियम का एक नमुना था और छाया थी। और जब वो मसीह के अन्दर आता है, उसने कहा, "यह मेरा प्रिय पुत्र है, जिसमे रहने से मैं अति प्रसन्न हूं। और मै उस स्थान को चुनुँगा, जहां मैं अपने नाम को डालूँगा और जहां पर मै मनुष्य से मुलाकात करुंगा और जहां मै आराधना करुंगा।" परमेश्वर स्थान को चुनता है; ना ही संस्थागत कलीसिया, लेकीन यीशु मसीह। हां श्रीमान।

72 उसे भी "बिना किसीदोष के" होना ही है, जैसे मैने कहा। कोई संस्था यह दावा नही कर सकती है। वे करते है; वे मसीह विरोधी है।

73 अब हम यहां पर देखते है, ध्यान दे उसकी फिर से छाया है। उस—उस मेम्ने को ऊपर रखा जाना है। अब, यह निर्गमन 12 में मिलता है, यदि आप इसे निशान लगा रहे है तो, यहनिर्गमन 12:3 से 6 है। उस मेम्ने को चार दिनों के लिये ऊपर रखा जाना ही होगा; परखा जाना होगा, ताकि यह देखे कि, यह अब भी बलिदान के योग्य है की नही है । इसे जरुर उठाया होगा, चार दिनो के लिये इसेबार—बार जांचाहोगा; किइस पर कोई दोष तो नही है; देखने के लिए किइसमें कोई बिमारी तो नही है, देखने के लिए

मेम्ने के साथ कुछ गलत तो नहीहै। इसे चार दिनो के लिये ऊपर रखा जाना ही होगा।

74 अब, ध्यान दे, आप में से शायद किसी ने सोचा होगा कि यह तो एक छोटी सी बात है, चौदहवे दिन पर मारा गया। लेकीन, आप याद रखना उन्होने मेम्ने को महिने के दसवे दिन पर उठाया, और इसे महिने के चौदहवे दिन पर मारा, देखना, उसे चार दिनो तक रखा गया था।

75 अब, यीशु परमेश्वर का नाम है, वो मेम्ना यरुशेलेम के अन्दर गया और फिर कभी वापस नही आया, बाद में जब तक उसकी मृत्यु नही हो गयी थी, दफनाया नही गया और पुनरुत्थान नही हो गया। उसे चार दिनऔर चार रातो के लिये निन्दको के नीचे रखा गया था। क्या ही यह मेम्ने का वो सिध्द नमुना था, जिसे चार दिनों के लिये रखा गया। यही है जब पिलातुस ने कहा, "मै उसमे कोई दोष नही पाता हूं।"

76 उसकी एक और छाया, उसकी कोई हड्डी नही टुट पायेगी; जो सिध्द रुप से छाया थी; जब वे नही कर पाये। बलिदान को मारने में, वे एक भी हड्डी नही तोड सकते है। यदि ऐसा होताथा, इसे इन्कार किया जाता था। और उन्होने मसीह के पैरो की हड्डीयों को तोडने के लिये हथोडे को पहले निकाल चुके थे, जब उन्होने कहा, "वो तो मर चूका है।"उन्होने उसके बाजु को छेद किया और लहु और पानी को देखा।

77 अब यहाँ पर फिर से एक और महान बात को ध्यान देना। मै इसे छोड आगे नही बढ़सकता क्योंकि वो भेंटो में दर्शाया गया था, उसभेंट की रोटी में।

मुझे याद है एक दिन उनका एक बाइबल का विद्यालय था, जिसे नबीयों का विद्यालयकहते थे, और यह एक पूर्णरुप से विद्यालय था। और हम पाते है कि एक दिन ऐल्सिया वहां उस विद्यालय में गया। और उन्होंने कहा, "हम... " उन्होंने उससे वहां से जाने के लिये विनंती की कहा, "जब भी तुम यहां आस पास होते हो बहुत ही अजीब बातें होती है।" इसलिये वे उससे चाहते थे कि वो दुर रहे।

और वे उसके लिए रात्री का भोज लानेको बाहर गये। और एक याजको का या नबीयो का झुण्ड बाहर गया ताकि उसके लिये रात्री का भोज बनाने के लिये मटर लाये। और जब उन्होंने बनाया, उन्होंने उसमेंबहुत बड़े कपडे के टुकडो पर उसे इकठ्ठा किया; और जब वे वापस आये, यह जंगली

सब्जी थी, जो जहर था, और उन्होने बर्तन के अन्दर डाल दिया। और बर्तन उबलना शुरु हो गया, और उनमें सेकिसी ने तो कहा, "हाय, इस बर्तन में तो मृत्यु है। अब हम इसे खा भी नही सकते है।"

और ऐल्लीया ने कहा, "मेरे पास एक मुठ्ठीभर भोजनले आओ।" उसने भोजन को लिया और इसे बर्तन के अन्दर फेंक दिया, कहा, "खाओ, बर्तन चंगा हो गया है।"

78 वो भेंट की रोटी मसीह था। उस भेंटकी रोटी के लिये, हर एक कटीले बीज को ऐसे ही ठीक होना था, और हर रोटी के टुकड़े को जमीन के अंदर वैसे ही गाडा जाना था।यह दिखा रहा है कि वो चंगाई देनेवाला है। वो स्थान को ले लेता है और मृत्यु को ले लेता है और जीवन को डाल देता है; उन दो व्यस्थाओं के द्वारा। हाल्लेलुया! जहां एक स्थान पर मृत्यु है; जब मसीह उसमें आता है, वो जीवन आ जाता है। वो कल, आज और युगानुयुग एक सा है। और जहां कही पर मृत्यु थी, वो जीवन बन गया। क्योंकि मसीह को उसमें लाया गया था, जो भेट की रोटी था।

79 इन महान बातों के होने के लिए क्या ही एक महान शिक्षाऐ है, यदि हम उन्हे तोडने के लिए समय को लेते है! अब ध्यान दे उन छाया में का एक भी शब्द चुकेगा नही। नाही उस छाया का एक शब्द भी कभी चुका है! हर एक चीज सिध्द रुप से नमुना थी।

वो परमेश्वर का चुना हुआ स्थान है, और परमेश्वर का नाम उसे दिया गया है। वो परमेश्वर के आराधना का स्थान है, और परमेश्वर का नाम उसे दिया गया है। वो परमेश्वर का वचन है; और वो परमेश्वर का नाम है। वो दोनो है, परमेश्वर का वचन और परमेश्वर का नाम। "वो देहधारी हुआ वचन था।" वो परमेश्वर का वचन था, परमेश्वर का मेम्ना, परमेश्वर का नाम और परमेश्वर था। यही है जो वो था, चुना हुआ और परमेश्वर की आराधना का मात्र स्थान।

80 और परमेश्वर यीशु मसीह में, उसके अलावा कोई भी और स्थान का इन्कार करता है; आप उसकी कही और आराधना नही कर सकते है। उसने कहा, "उनकी मेरे लिये आराधना व्यर्थ है, जो मनुष्यों की आज्ञाओ के सिध्दातो को सिखाते है।" हमारे पास आज संम्प्रदाय, रीत रिवाज और सबकुछ है, जो हमें सिखाते है यह *इस* तरह से है और यह *उस* तरह से है।

और यीशु ने कहा, "मै मार्ग, सत्य और जीवन हूं और कोई भी मनुष्य, मेरे बिना परमेश्वर के पास नही आ सकता है।" दुसरे शब्दो में, "मै भेडो का द्वार हूं। बिना इसके सब चोर है।" केवल वो ही पहुंच है। वो द्वार है। वो मार्ग है, वो सत्य है, वो जीवन है, वो सब जो वहां पर है; एक मात्र प्रवेश द्वार, एक मात्र स्थान, एक मात्र आराधना, एक मात्र नाम।

हर एक चीज यीशु मसीह से जुडी है। पुराने नियम का वो सब उससे जुडाहुआ है। नया नियम उससे जुडा हुआ है। और कलीसिया उसके वचन की आज्ञाओ के द्वारा उससे जुडी हुई है। वहां और कोई भी स्थान नही है या और कोई नाम, या कही भी, जहां परमेश्वर ने कभी एक मनुष्य से मिलने की प्रतिज्ञा की हो; जो केवल यीशु मसीह में है, वो उसकी आराधना का चुना हुआ स्थान है।

81 ध्यान दे, परमेश्वर ने उसके आराधना करनेवालो के लिये केवल इस एक स्थान में मिलने की प्रतिज्ञा की है, और यह उसका खुद के द्वारा चुना जाना है: हमारे द्वारा चुना जाना नही, हमारी सोच से नही; लेकीन उसका सोचना, उसके द्वारा चुना जाना। और यह वो स्थान होगा, जहां पर वो अपने नाम को डालता है, जहां वो चुनता है। इसलिये हम देखेगे कि हम जाने, उसका नाम कहां पर था, जिसे वो अपने खुद के चुनने के द्वारा, जो चुनता है।

82 अब जिस स्थान को हमने जान लिया है वो उसके नाम को डालता है, वो यीशु मसीह में है और कोई स्थान नही है या कोई और नाम नही है, क्या आप इससे संतुष्ट है? "आमीन" कहे। (सभा कहती है, "आमीन"—सम्पा।) अब, बात यह है, यदि हम देखते है कि वो स्थान कहां पर है... कोई भी स्थान को आराधना के लिए ग्रहण नही किया गया है, वोकेवल मसीह में है।

आप पश्चाताप कर सकते है, आप इसे कर सकते है, लेकीन आप अब भी आराधना नही कर रहे होते है। आप क्षमा को मांग रहे होते है। पतरस ने कहा...

पेन्टीकॉस्ट के दिन पर, जब उन्होने उन्हे अन्य भाषा में बोलते और बडे चिन्हो और अद्भुत को करते हुये देखा, उन्होने हसंना आरंभ किया, ऐसा कलीसिया ने किया और कहा, "यह मनुष्य नई मदिरा को पीये हुये है। वे मदिरा पीये हुयेलोगो की नाई करने लगे। वो... कुवांरी मरियम, उनमें से

सब, वे एक सौ बीस एक साथ थे । और वे लोग मदिरा पीये हुये मनुष्यो की नाई लडखडा रहे थे और अन्य भाषा में बोल रहे थे और करते ही जा रहे थे। उन्होंने कहा, "ये मनुष्य पुरी तरह से नया दाखरस पीये हुए है।"

83 लेकीन पतरस, खडा हो कर कहने लगा, "भाईयों, इन मनुष्यों ने नया दाखरस नही पिया है, क्योंकि यह दिन का तिसरा पहर है, लेकीन यह वही है जो योएल नबी के द्वारा कहा गया, 'और यह अन्तिम दिनो में पुरा होगा, परमेश्वर कहता है, मै सारे देह पर अपनी आत्मा को उन्डेलुगा: तुम्हारेबेटे और बेटियां नबुवत करेगे; मेरे दास और दासीयो पर मेरी आत्मा को उंडेलूँगा, मै ऊपर आकाश पर और पृथ्वी पर चिन्हो को दिखाऊंगा; अग्नि, अग्नी का स्तम्भ, धुएँके बादल को । प्रभु के उस भयानक और बडे दिन के आने से पहले यह पुरा होगा, जो कोई भी प्रभु के नाम को पुकारेगा, वो बच जायेगा।'"

84 जब उन्होने इसे सुना, उनके ह्रदय छिद गये और उन्होने कहा, "मेरे भाईयों, हम क्या कर सकते है? "

85 पतरस ने कहा, "पश्चाताप करो, और पापों की क्षमा के लिये यीशु मसीह के नाम से हर एक जन बपतिस्मा लो और तुम पवित्र आत्मा के दान को पाओगे। क्योंकि प्रतिज्ञा तुम्हारे आने वाले वंश के लिये है।" अब हम इसे देखते है।

86 अब हम देखना चाहते है, हम उसमें कैसे *अन्दर*जाते है। हम कैसे इस आराधना के स्थान के *अन्दर* जाते है? पहला कुरुन्थियों12 इसे बताता है, क्योंकि, "एक आत्मा के द्वारा!" एक कलीसिया के द्वारा नही, एक संम्प्रदाय के द्वारा नही, एक पास्टर के द्वारा नही, एक बिशप के द्वारा नही, एक याजक के द्वारा नही। लेकीन "एक आत्मा के द्वारा हम सबने एक देह में बपतिस्मा पाया है," जो यीशु मसीह की देह है, और हर दान के विषय जो उस देह में रखे है। हां श्रीमान! कोई जुडना नही, संम्प्रदाय की चर्चानही, जानकारी देने, अन्दर साने देने, हाथ मिलाना नही, या ऐसा कुछ भी नही। लेकीन जन्म के द्वारा हमने यीशु मसीह के देह के अन्दर बपतिस्मा लिया है। आमीन। "हमने एक आत्मा के द्वारा एक देह के अन्दर बपतिस्मा लिया है।"

87 और वो देह क्या है? "आदि में वचन था, और वचन परमेश्वर के साथ था, और वो वचन परमेश्वर था। और वो वचन देहधारी हुआ और हमारे

मध्य डेरा किया।" हम भला कैसे उस देह का भाग हो सकते है और इसके एक वचन का भी इन्कार कर सकते है, या इसे कही और स्थान पर रखते है जो देह में, है भी नही? हम भला इसे कैसे हमेशा कर सकते है? परमेश्वर का चुना हुआ स्थान!

88 ध्यान दे, और जब आप सचमुच उसके अन्दर बपतिस्मा लेते है, उसका सच्चा प्रमाण यह है कि उसे विश्वास करते है, जो वचन है।

आप भला कैसे उसका एक भाग हो सकते है और फिर उसका इन्कार कर सकते है? भला कैसे मै अपने हाथ को मेरा हाथ होने से इन्कार कर सकता हूं? यदि वहां... यदि मै करता हूं, तो कुछ तो मेरे साथ वहां पर दिमागी गड़बड़ है। और कैसे मै कर सकता हूं? यदि मेरे साथ वहां पर कुछ तो दिमागी गड़बड़ है, तोमै मेरे हाथ को इन्कार करुंगा, मेरे पैरो को इन्कार करुंगा, उस विश्वासी के साथ आत्मिक रुप से कुछ तो गड़बड़ है, जो उसके कोई भी वचन का इन्कार करता है जो भी परमेश्वर ने कहा और प्रतिज्ञा की है । वहां उस मानो विश्वासी के साथ कुछ तो गड़बड़ है।

89 आप उसके एक शब्द का इन्कार नही कर सकते है, क्योंकि आप उसी का एक भाग बन गए है। आप उसका एक भाग है क्योंकि आपने उसके अन्दर बपतिस्मा लिया है; उस पवित्र आत्मा के द्वारा, जिसने आपको यीशु मसीह की देह के अन्दर लाया। क्या ही सुंदर बात है!

90 परमेश्वर के पास एक निश्चित स्थान था, वो—वो अब्राहम से मिला, और वहां पर अब्राहम ने आराधना की । उस सारे (पुराने) करार में से होते हुये!

और उसकी प्रतिज्ञा किया हुआ वचन, उसके द्वारा आपमें अनुवाद होगा। क्या आपने यह समझा? जिस वचन की उसने प्रतिज्ञा कीताकि जिस दिन में आप रह रहे हो, उसे पुरा करे: आप परमेश्वर की लिखित पत्री है, जिसे सारे मनुष्य पढते है। ऐसा नही कि आप क्या दावा करते है, लेकीन जो परमेश्वर आपके जरिये से होकर करता है, जोकुछ भी बात को, आप दावा कर सकते है, वो उससे कई अधिक बोलेगा। परमेश्वर ने कहा, "जो विश्वास करते है, यह चिन्ह पीछे जायेगे ।" जो आपमें से होकर बोलता है।

91 उसने इस युग के लिये बोला, जो अब होगा। इस युग के विश्वासीयों को इसे विश्वास करना है, जो उसने आज के लिए प्रतिज्ञा की है। बिलकुल वैसे

ही जैसे बचने के लिये जहाज के अन्दर आये; बचने कि लिये मिस्त्र से बाहर निकले; अब उन्हे बचने के लिये मसीह के अन्दर आना होगा, वचन सन्देश में आना है, कि वो कल, आज और युगानुयुग एक सा है।

92 आप इस के अन्दर कैसे आते है? बपतिस्मा के द्वारा! किसका बपतिस्मा पानी का? पवित्र आत्मा का बपतिस्मा! "एक आत्मा के द्वारा हम सबने इस एक देह के अन्दर बपतिस्मा लिया है।"

93 और उसका प्रतिज्ञा किया हुआ वचन, वो नही... आपको इसे अनुवाद नही करना है। वो आपके जरिये से इसे अनुवाद करेगा; आप जो कर रहे है, जो उसने करने के लिए प्रतिज्ञा की है। वो कलीसिया जो उसका अनुकरण करती है, वो इतना उसके समान हो जायेगी, जब तक लोग जान नही जाते।

पतरस और युहन्ना की ओर देखे जब उन्होने सुंदर फाटक पर एक मनुष्य की चंगाई के बारे में सवाल पुछा था। उन्होने कहा, "उन्होने जान लिया है," उनयाजको ने जान लिया, "कि वे दोनो अनपढ और अशिक्षित मनुष्य थे," लेकीन उन्होने ध्यान दिया कि वे यीशु के साथ रहे थे। क्योंकि (क्या?) वे उन बातों को कर रहे थे जो उसने की थी।

94 उसे पिता के काम को ही करना है । और आज इसे वैसा ही होना है।

95 अब, याद रखना, वो कल, आज, और युगानुयुग एक सा है; क्योंकि परमेश्वर आपसे उसमें मिलता है, वहां पर एक मात्र स्थान है; क्योंकि यही है जहां पर उसने अपने नाम को डालने के लिये चुना है; यीशु में। "यीशु" वो परमेश्वर का नाम है। याद रखना, पिता, पुत्र, पवित्र आत्मा, "यीशुमसीह" नाम के लिये शिर्षक है।

96 जब मती ने कहा, "इसलिये जाओ, सारे राष्ट्र को सिखाओ, उन्हे पिता, पुत्र और पवित्र आत्मा के नाम में बपतिस्मा दो।"

किस तरह से आज इसका गलत अनुवाद किया गया है और कहते है, "पिता के नाम में, पुत्र के नाम में, पवित्र आत्मा के नाम में।" ऐसा लिखा भी नही हुआ है। यह "नाम में" है, जो एकवचन है, "पिता, पुत्र, पवित्र आत्मा के।" *पिता* कोई एक नाम नही है, *पुत्र* एक नाम नही है, *पवित्र आत्मा* एक नाम नही है; यह एक शिर्षक है।

दस दिनॉ के बाद, पतरस खडा हो गया और कहा, "तुम में से हर एक पश्चाताप करे, और यीशु मसीह के नाम में बपतिस्मा ले।" फिर क्या

उसने किया, जो उसने उससे नही करने के लियेकहा? उसने वही किया जो उसने उससे करने के लिये कहा। पिता, पुत्र और पवित्र आत्मा का नाम "प्रभु यीशु मसीह" है । नये नियम के हर एक व्यक्ती ने प्रभु यीशु मसीह के नाम में बपतिस्मा लिया था।

97 बाइबल में एक भी व्यक्तीने पिता, पुत्र, पवित्र आत्मा के शिर्षक में कभी भी बपतिस्मा नही लिया था। यह कभी भी अस्तित्व में नही आया, जब तक नाइसीया संम्प्रदाय नाइसीया, रोम पर नही डालीगयी थी । यह एक कैथोलिक कलीसिया का निर्देश था, धार्मिक शिक्षा में इसे पाया, इसी बात को प्रमाणित किया।मुझे यह मिल गया, यही सही है, *हमारे विश्वास की सच्चाई,* और इत्यादी, निश्चित रुप से यह एक रोमन कैथोलिक संम्प्रदाय है। वे आपसे कहेगें यह बाइबल में नही है; लेकीन वे कहते है कि यदि वे चाहे तोउनके पास उन वचनों को बदलने की ताकत है, उस पोप की वजह से। मै अलग ही हूं।

यीशु मसीह कल, आज और युगानुयुग एक सा है। "और जो कोई भी इस बाइबल से एक शब्दको भी निकालेगा," यीशु ने कहा, "या एक शब्द इसमें जोडेगा, उसका भाग जीवन की किताब से निकाल दिया जायेगा।" एक शब्द; एक वाक्य नही, या एक अंतरा नही, लेकीन एक शब्द! "जो कोई भी एक शब्द को... "

98 आदि में, परमेश्वर ने अपने लोगो को उसके वचन से किलाबन्द किया। एक शब्द के गलत अर्थ, हर एक मृत्यु का कारण था, हर एक दिल का दौरा पड़ना, हर एक दुख। हवाने एक वाक्य को नही तोडा; उसने एक शब्द को तोडा। और जब यीशु किताब के मध्य में आया... उस किताब का वो प्रथम था

जब यीशु किताब के मध्य में आया, उसने क्या कहाथा? "ऐसा लिखा है कि मनुष्य केवल रोटी से नही, लेकीन उसके हर एक वचन से जीवित रहेगा जो परमेश्वर के मुख से निकलता है।"

किताब के अन्तिम में, प्रकाशित वाक्य का 22 अध्याय के 18 पद में, जो बाइबल का ठीक अन्तिम भाग है, यीशु खुद कहता है, कहां, "मैं कहता हूं कि यदि कोई मनुष्य इस किताब का एक शब्द भी निकालेगा या इसका एक शब्द भी इसमे जोडेगा, उसका भाग जीवन की किताब से निकाल दिया जायेगा," क्योंकि वो एक झुठा नबी है और उसने लोगों

को गलत अर्थ बताया है और ऐसा करने से उनके लहु का लेखा उसके हाथों में होगा।

99 हमे उस आराधना के स्थान को बनाये रखना ही है; जो यीशु मसीह है, वो वचन, जो कल, आज और युगानुयुग एक सा है। आमीन। तो ठीक है। याद रखना, वहां पर आराधना का और कोई स्थान नही है, एक स्थान नही है। परमेश्वर इसे चुनता है।

100 वहां बहुत पहले युहन्ना, नये और पुराने करार के बीच जुड़ने पर था। अब ध्यान से सुनना। अब नजदीक से देखना। युहन्ना, वो महान उकाब, जो एक दिन जंगल से उडते हुये आता है, उसके बडे पंख फैल गये। वो यरदन के किनारे आकर बैठ गया, एक महान उकाब नबी जिसने नये और पुराने करार के बीच पुल को बांधा। और उसने उन्हेंदायीं ओर और बायीं ओर से बुलाया। वो एक पश्चाताप के दिन के लिये बुला रहा था।

जहां सादुसी और फरिसी बाहर आते है; उसने कहा, "तुम अपने से ये कहना आरंभ मत करो, 'हम हमारे पिता अब्राहम से है; कारण मै तुम से कहता हूं, परमेश्वर इन पत्थरो से परमेश्वर अब्राहम के लिये सन्तान को खडा कर सकता है।" ओह, प्रभु!

जब उसने उसके सुसमाचार को बोलना आरंभ किया, और कह रहा था, "वहां तुम्हारे मध्य एक खडा है, जिसे तुम नही जानते। मैने उसे अब तक उसको नही पहचानता हूँ, लेकीन मै उसे जान जाऊंगा, जब वो आता है। मै उसके जुते के बन्ध खोलने के योग्य नही हूं। लेकीन वो तुम्हे पवित्र आत्मा और आग का बपतिस्मा देगा। और उसका सूफा उसके हाथ में है, और वह अपना खलियान अच्छी तरह से साफ करेगा, और भुसी को आग से जलायेगा, जो बुझेगी नही।"

101 वो महान सुसमाचार का उकाब वहां पर बैठा हुआ है, जब उसने अपनी बडी डरावनी ध्वनी को किया। और वो गन्दगी बाहर आ गयी, या वोहेरोद, जो उस समय का शासक था, उसने घोषणा की, उसके भाई की पत्नी से विवाह किया। और क्या आप कल्पना कर सकते है वो बडा सुसमाचार का उकाब वहां बैठा हुआ है और इस पर शान्ती धरे हुये है?

उनमे से कुछ कहा, "युहन्ना क्या तुम अब विवाह और तलाक पर प्रचार नही करते, ", "क्योंकि हेरोद वहां पर बैठा हुआ है।"

102 वो ठीक वहां पर चलकर गया और उसके मुंह पर कहा, "यह तुम्हारे लिये उचित नही है कि तुम उस स्त्रीको रखो।" सही है!

क्या वो, ऐसा था? वो उस जंगल में का उकाब हुआ था। वो मनुष्य के डराने और धमकाने के नीचे, किसी संस्थाओं का प्रशिक्षित किया हुआ नही था। लेकीन वो सर्वशक्तीमान परमेश्वर की सामर्थ के नीचे प्रशिक्षित हुआ था, ताकि जाने वहां पर क्या होगा। वो मसीहा की पहचान को जानता था।

हाल्लेलुया! इस शब्द का मतलब होता है, "हमारे परमेश्वर की स्तुती हो!" डरना मत। मैने अब तक कभी किसी को भी दुख नही दिया है। मै उत्तेजीत नही हूं। मै ठीक तरह से जानता हूं कि मै कहां पर हूं।

ओह, जब मै उसके लिये सोचता हूं, वो बडा उकाब जो वहां पर उडकर आता है और नीचे बैठता है! उसने कहा, "मैं उसे जान जाऊंगा, जब वो आता है।"

103 एक दिन वहां पर वो खड़ेहोकर, प्रचार कर रहा है। वे याजक वहां उस तरफ से गुजरते है; कहा, "तुम्हारा मतलब है, वहां एक समय आयेगा वोप्रतिदिन के बलिदान को ले लिया जायेगा, जो हमारा बनाया हुआ बडा मंदिर है, और वे सारे कार्य हम करते है, हम जो बडी संस्थाये है? "

उसने कहा, "एक समय आयेगा जब ये सब ले लिया जायेगा।"

"यह नही हो सकता है। तुम एक झुठे नबी हो!"

104 और उसने इधर उधर देखा। उसने कहा, "देखो वो वहां पर है! वहां पर परमेश्वर का चुना हुआ आराधना का स्थान है। वहां पर वो मेम्ना है, वो सच्चा मेम्ना जो संसार के पाप को ले लेता है।" उसने यह नही कहा, "यहां मेथोडिस्ट आता है, यहां बेपटिस्ट आता है, या कैथोलिक।" उसने कहा, "वहां मेम्ना आता है, जो संसार के पाप को ले लेता है।"

केवल एक मात्र सुरक्षित स्थान है, वो परमेश्वरमेम्नेमें है। केवल उसी में उध्दार है; ना ही किसी कलीसिया में, ना किसी संम्प्रदाय में, ना ही किसी लोगो में, किसी पिता में, किसी माता में, किसी पवित्र व्यक्ती में, या कोई भी पवित्र स्थान नही है। यह पवित्र परमेश्वर है, वो प्रभु यीशु मसीह है, जहां परमेश्वर ने छुटकारे के लिये, अपने नाम को एक मनुष्य जाती पर डाला है, जिसने हम पापीयों के लिये दाम को चुकाया। केवल वही वो स्थान है कि जहां पर उध्दार है। यही वो चट्टान है, जिस पर मै खडा हूं।

105 युहन्ना ने उसे पहचान लिया । उसने कहा, "मैने उसे नही पहचाना जब मैने उसे चलकर आते देखा, लेकीन वहां पर जहां मैं शिक्षा को ले रहा था... " कोई धर्म शिक्षामें नही, जैसे उसके पिता ने किया; एक याजक की नाई शिक्षा नही पायी। लेकीन जंगल में, जहां वो सर्वशक्तीमान परमेश्वर की धर्म संबंधी शिक्षालय में था, परमेश्वर के वचन के लिये रुका हुआ था; ना की किसी मनुष्यों के रचे झुण्ड के लिए रुका था, लेकीन परमेश्वर ने इसके बारे में क्या कहा था । और जब युहन्ना ने ऊपरदेखा और आत्मा को आते देखा, उसने कहा, "मै गवाही देता हूं, यह वही है।" ओह, प्रभु!

वहां पर आपके आराधना का स्थान है। वहां आपके छिपने का स्थान है। वहां वो परमेश्वर का मेम्ना है जो संसार के पापों को ले जाता है। ना ही कोई कलीसिया, ना ही कोई संम्प्रदाय या कुछ भी और नही, लेकीन वो परमेश्वर का मेम्ना संसार के पाप को ले जाता है।

106 देखा युहन्ना ने इसे कैसे स्थान पर रखा? उसने यह नही कहा, "फरीसियों तुम सही हो, तुम सदूकियों, हेरोदियो।" उसने कहा, "वहां वो मेम्ना है।" यही वो स्थान है। उसने नाम को जान लिया था। वही एक है। आकाश के नीचे कोई और नाम नही!

107 अब देखना यीशु ने युहन्ना के बारे में क्या कहा। एक दिन युहन्ना ने यह देखने के लिए उसे उसके पास भेजा कि वो क्या कर रहा था।यीशु ने उससे कहा, "वो महान और चमकता हुआ उजियाला था," ताकि उसके प्रथम आगमन से पहले उन्हे सही मार्ग को दिखाये। ध्यान से सुनना। इसे चुकना मत। यीशु ने कहा, "युहन्ना वोउजियाला था।" मलाकी 3, कोई गलती नही है! उस नबी ने उस महान चमकते उजियाले के साथ, केवल एक ही व्यक्तिव की नाई यीशु की पहचान दी, "वो मेम्ना।" वे याजक उन सारे दुसरे मेम्नो के बारे में बात कर रहे थे, और उनमे की सारी दुसरी बातें कर रहे थे, जोमुर्खता थी। यहां पर "वो मेम्ना!" था। वो मनुष्य उस महान चमकते उजियाले के साथ था, जिसे यीशु ने कहा था, कि वो उजियाला था।

मलाकी 3 ने कहा, "मैं मेरे सन्देशवाहक को मेरे आगे भेजुगां ताकि मार्ग को तैयार करे।" और उस एक को मार्ग को तैयार करने के लिये भेजा, उसे पहचान लिया, उस स्थान को। "यह वही है! वहां कोई गलती नही थी। यह वही है! मै चिन्ह को उसके पीछे जाते हुये देखता हूं। मै जानता हूं

कि यह वही है; आकाश के नीचे आते हुये एक उजियालाऔर उस के ऊपर जा रहा है।" यह सकारात्मक था, यह वही था।

108 तब, मेरे भाई, मै आपसे कुछ तो, बन्द करते हुये पुछना चाहता हूं। हो सकता है हम इसे कहे । मलाकी4 में क्या हमें एक और उकाब की भी प्रतिज्ञा नही की गई है, एक उजियाले कास्तम्भ पीछे–पीछे जा रहा होगा, इस दिन पापमय कलीसिया को दिखाने के लिए कि वो इब्रानियों 13:8, "वो कल, आज और युगानुयुग एक सा है? क्या हमें प्रतिज्ञा नही की गयी कि एक और जंगल से उडते हुये आयेगा? आमीन! यह बिल्कुल ही सत्य है। किस तरह से यह बैट लुका 17:30 में सही बैठ रही है और मिल रही है, जहां मनुष्य का पुत्र (उकाब) खुद को प्रकट कर रहा होगा ताकि सारे दुसरे आराधना के स्थानों को निकम्मा ठहराये, जैसे की संस्थाये और इत्यादी!

परमेश्वर अपने स्थान को चुनता है। युहन्ना ने कहा, "यही है वो!"

109 और फिर हमे इस दिन के लिये वही प्रतिज्ञा की गई है, जो मलाकी–4है, "बालको के मन को वापस फेरेगा," यह कहने के लिये किवो मरा नही है, यह बातें किसी और युग के लिये नही है; यीशु के नाम का बपतिस्मा, वहां पर यह पहले के लिये ही नही था, लेकीन वो अब एक सा है। आमीन। दुसरे आराधना के स्थानो को निकम्मा ठहराने के लिए; यही है जो अन्तिम दिन के उकाब को करना है, यह दिखाने के लिये इसका बाकी का सब मुर्खता है; संस्थाये आज्ञानी है, लेकीन उन्हे वापस उसी चिन्ह के साथ सकेत करना, जो उसने किये, कि वो कल, आज और युगानुयुग एक सा है। हाल्लेलुया!

110 प्रकाशितवाक्य 4:7 में भी, हमारे पास चार पशु थे, जिसमे से होकर हम अभी गये है।

वो एक जो पहला था, जिसे हमने देखा... देखते है, वो सिंह था। वो पहला पशु था, जो उस दिन की चुनौती को लेने के लिये आगे गया, वो यहुदा के गोत्र का सिंह था।

अगला पशु आता है । और हम देखते है, वो अगला पशु बैल एक था, जो एक बोझ लेने वाला पशु है, एक बली का पशु । रोमन गिरजाघर के दिनों में, कलीसिया मार दी गई; बली।

उसके बाद वो दुसरा आया, जो एक मनुष्य था, एक पशु जो एक मनुष्य के चेहरे के साथ था। और वो मनुष्य सुधारक था, मनुष्य की शिक्षा, धर्मशास्त्र और इत्यादी।

लेकीन अन्तिम पशु जिसे उडना था, वो अन्तिम पशु जिसे आना था, बाइबल ने कहा, यह एक उडता हुआ उकाब था। हाल्लेलुया। और नबी ने कहा, इस दिन में, "यह उजियाला होगा।" ओह, प्रभु! "उस दिन में, वहां पर उजियाला होगा।"

111 वहां सुधारको का एक दिन रहा है। वहां एक दिन रहा है, जो केवल एकएक छाया रही है, जिसे दिन और रात नही कह सकते है। लेकीन संध्या के समय में, उकाब के समय में:

उकाब के समय उजियाला होने पर होगा,
वो महिमा के रास्ते को निश्चय ही तुम पा लोगे;
उस पानी के रास्ते में आज वो उजियाला है,
यीशु के बहुमुल्य नाम में गाडा गया।
जवान और बुढे, अपने सारे पापों के लिये पश्चाताप
करे,
पवित्र आत्मा निश्चय ही तुम्हे उसमें बपतिस्मा देगा;
क्योंकि संध्या का उजियाले आये है,
यह एक सच्चाई है कि परमेश्वर और मसीह एक है।

112 आमीन! यह संध्या के समय उजियाला होने पर होगा, परमेश्वर का चुना हुआ एक मात्र आराधना का स्थान। ओह, यह सन्देश किस लिये आया है, वो क्या करने जा रहा है? और उसके दिन में, यह संध्या के समय उजियाला होगा, और (क्या?) उसके बच्चों को वापस घर में स्वागत करने के लिए, सच्चे प्रतिज्ञा किये हुए देश के लिए, उसी अग्नि के स्तम्भ के द्वारा, जिसने जंगल में से होते हुये इस्त्राएल के बच्चों कि अगुवाई की थी।

परमेश्वर के आराधना का चुना हुआ स्थान, यीशु मसीह है। यही वो वहां पर एक मात्र स्थान है। यही वो एक मात्र उध्दार के लिये परमेश्वर का नाम है। यहीहै, जो उसने स्वर्ग में परिवार का नाम दिया, जब ये धरती पर है, यीशु मसीह है।

113 ओ, कलीसिया, ओ लोगों, पापी मित्र, यीशु मसीह को छोडकिसी और में भरोसा मत करना। किसी प्रचारक में भरोसा मत करना, किसी और में

भी भरोसा मत करना कि तुम्हे बचायेगा। किसी कलीसिया में भरोसा मत करना, किसी संम्प्रदाय, किसी भी संस्था। केवल यीशु मसीह में भरोसा करना, क्योंकि वो इस घडी का उजियाला है।

आइये हमारे सिरो को झुकाये;

उकाब के समय उजियाला होने पर होगा,
वो महिमा के रास्ते को निश्चय ही तुम पा लोगे;
उस पानी के रास्ते में आज वो उजियाला है,
यीशु के बहुमुल्य नाम में गाडा गया।
जवान और बुढे, अपने सारे पापों के लिये पश्चाताप करे,
पवित्र आत्मा निश्चय ही तुम्हे उसमें बपतिस्मा देगा;
क्योंकि संध्या का उजियाले आये है,
यह एक सच्चाई है कि परमेश्वर और मसीह एक है।

114 ओह, भाई, बहन, आपने यदि अब तकपश्चाताप नही किया है, यदि आपने यीशु मसीह के नाम बपतिस्मा नही लिया है, क्या आप आज रात इसकी शुरुवातकरेंगे? क्या आप परमेश्वर को मौका देगें ताकि आपका उस स्थान में स्वागत करे, जहां आप उसकी आराधना कर सकते है? याद रखना, इसके बाहर, वहां पर कोई स्थान नही है कि परमेश्वर आपसे मुलाकात करे और आपकी आराधना का स्वागत करे।

115 आप कहते है, "भाई ब्रान्हम, मै बिलकुल सच्चाई के नाई आराधना करता हूं!" ऐसे ही कैन ने किया। उसने हर प्रकार की भेट को बनाया, जो हाबील ने किया, लेकीन यह गलत भेट थी। हो सकता है आप कलीसिया जाते है, अपने दशंवांश को देते है, और एक मसीह की नाई अपने कार्य को करते है जो करना चाहिये, वैसे ही ईमानदारी से, जैसे कोई भी स्त्री और पुरुष होते है।

मै यहां पर अब लगभग तीस वर्षो से खडा हूं, यहां शहर के इर्द—गिर्द और इसी सन्देश को चीखा है। मै बुढा हो रहा हूं। मै ज्यादा समय तक आपके साथ नही रहूंगा। लेकीन याद रखना न्याय के दिन में, मेरी आवाज रिकॉर्ड हुई है, और यह तुम्हारे विरोध बोल उठेगी।

116 वहां केवल एक ही स्थान है जहां पर परमेश्वर उसके नाम को डालता है, और वो एक कलीसिया में नही है, लेकीन में यीशु है। वहां केवल एक

ही आराधना का स्थान है, केवल एक ही स्थान जिसे आपने ग्रहण किया है, और वो प्रिय, यीशु मसीह में है। "वहां आकाश के नीचे मनुष्यों के बीच कोई और नाम नही दिया गया है, जिसमें बचा जायेगा।" ना ही कलीसिया, ना ही संम्प्रदाय, नही कुछ भी नही। यीशु मसीह!

और यही इस घडी का सन्देश होना चाहिये, "बालको के मन को विश्वास की ओर लौटायेगा, जो एक बार उन संतो को दिया गया था।" क्या आप आज रात इसे स्वीकार नही करेगें?

और जब हमने अपने सिरों को झुकाया है।

117 और वे जो प्रार्थना में याद रखना चाहते है, आप केवल हाथो को उठाये। हम एक वेदी के लिए पुकार को नही कर सकते है, क्योंकि बहुत से लोग है। परमेश्वर आपको आशिष दे। ओह! मेरी दायीं तरफ, मै सोचता हूं, वहां तीन सौ लोग है।

118 अब मेरी बायीं तरफ, आप अपने हाथों को उठाकर कहेगें, "मै चाहता हुं, प्रार्थना मे याद करे।" मै सोचता हूं, मेरी बायीं ओर, एक सौ पच्चास या ज्यादा लोग है।

हमारे पास यहां एक भवन में, जो एक पानी के बड़े तालाब के साथ है, पास्टर, जोएक अच्छे पास्टर है, भाई ऑरमन नेविल, आस पास यहां कुछ साथ में सहयोगी व्यक्ती है, जिसे देखकर और मिले। हर दिन, हर रात, हर घडी, जो लोग बपतिस्मा लेना को चाहते है, जिन्होंने पश्चाताप किया है, यह हमेशा ही प्रतीक्षा करता है। और यदि आप उस आज्ञा को मानते है, आप परमेश्वर की एक प्रतिज्ञा के द्वारा निश्चित है, यदि आप अपने हृदय मेंईमानदार है, ताकि पवित्र आत्मा के बपतिस्मे को ग्रहण करे ।

119 वहां केवल आराधना का एक ही स्थान है। अब, यह भवन में नही होना है, यह मसीह में है। हम उसमें कैसे जायेगे? "एक आत्मा के द्वारा हम सबने इस एक देह में बपतिस्मा लिया है।"

आइये प्रार्थना करे।

120 प्रिय परमेश्वर, जब यह हाथ ऊपर उठे है, यह दिखाते है कि हमारे उस हाथ के नीचे उस हृदय में क्या था, एक दृढ विश्वास कि उन्हे निश्चय ही आपसे सहायता की अवश्यकता है। मै उनमें से हर एक के लिये प्रार्थना करता हूं, पिता। और मैने आपके वचन का हवाला देने जा रहा हूं। आपने

कहा, "जो मेरे वचन को सुनता है, और उस पर विश्वास करता है, जिसने मुझे भेजा है, उसके पास अन्नतजीवन है, और वो न्याय के लिये नही आयेगा; लेकीन वो मृत्यु से जीवन की ओर पार हो चुका है।"

पिता, अभी कुछ सप्ताह से शहर से होकर गुजरा हूं, वापस आकर पुछा, "*इस* बारे मे? "

"वे, क्योकि चले गये है।"

"तो, इसके बारे... "

"वे चले गये है।"

121 प्रिय परमेश्वर, एक के बाद एक करके हमे बुलाया है, एक के बाद एक हमे मृत्यु की तराई की छाया से होकर जाने की चुनौती को लेना होगा। और यह हमसब के लिये मरनहार की नाई होने की वजह से है । लेकीन, आज रातआपने हमे अपने आवेदन को प्रस्तुत किया है, कि यदि हम उस में विश्वास करेंगे और उसके नाम में बपतिस्मा लेंगे, तो आप हमें अन्दर ले लेगे। और तब इसदेह में, जो मसीह का देह है, ना ही कलीसिया में; लेकीन मसीह के देह में, जिस देह का पहले से ही न्याय हो चुका है। इसे न्याय के लिये नही आना है। परमेश्वर ने उस देह पर अपने क्रोध को उंडेल दिया और वो देह पाप से आजाद है; औरउसमें होने से, जो हमारे लिए मरा उस प्रायश्चियता के द्वारा, हमे पाप से आजाद रखता है। और हमारे पास उसी में एक दुसरे के साथ संगती है, जब वो यीशु मसीह का लहु, जो परमेश्वर का पुत्र है, हमे सारे पापों और अशुध्दता से साफ रखता है।

122 पिता, परमेश्वर, मै प्रार्थना करता हूं कि आप उन में से हर एक को आपके राज्य के अन्दर ले लेंगे । इसे प्रदान करे, परमेश्वर। उन में से एक जन भी ना खोने पाए; वहां पर एक भी लडका और लडकी, स्त्री या पुरुष नाखोने पाए। प्रभु, यहां उसमे से मेरे कुछ अपने लोग भी आज रात बैठे है, जो उस लहु के बाहर है। कितनी अच्छी तरह से मै अपने पिता के शब्दों को याद कर सकता हूं! और मै प्रार्थना करता हूं प्रिय परमेश्वर, कि उन में से कोई भी नही खोयेगा। इसे प्रदान करे, प्रभु। अब मै आप पर विश्वास करता हूं, वो सब जो मुझे विश्वास करना है।

123 जो यहां आज रात इस स्थान में, मेरे भाई, बहने, मेरे मित्र और वहां जो दुर फोन के द्वारा जुडे है, उनके ऊपर मंडराये । बहुत सारे विभिन्न राज्य के लोग पुर्व तट से लेकर पश्चिम तट की ओर तक, जो इस में सुन रहे है।

मै प्रार्थना करता हूं, प्रिय परमेश्वर, वहां दुर उस टक्सनके रेगिस्तानों में हर कहीं, उस ओर दुर केलिफोर्निया में, ऊपर नेवडा और इडाहो, उस ओर दुर पुर्व और हर कही नीचे टेक्सास में; जब यह निमंत्रण दिया गया है, लोग छोटी कलीसियाओ में—में बैठे हुये है, पेट्रोल पंपमें, घरों में सुन रहे है। ओ परमेश्वर, होने पाये कि खोये हुये स्त्री और पुरुष, लडका या लडकी, इस घडी पर, तेरे पास आ जाये। ठीक अभी आप इसे प्रदानकरें । हम इसे यीशु के नाम में मांगते है, जिससे वे इस सुरक्षित स्थान को पा लेंगे, जब कि यही वो समय है।

जब हम दिवार पर हस्त–लेख को देखते है, पृथ्वी बेचैन हो रही है; छुडाये जाने का समय नजदीक है। हमारे राष्ट्र का भाग डुब रहा है, दुसरा भाग हिल रहा है और भुकंप से फट रहा है, जिसकी यीशु ने ऐसा होने की प्रतिज्ञा की थी । इसे उनके लिये और देर न होने दे, प्रभु। होने पाये वे इसे अभी ग्रहण करे, क्योंकि हम उन्हें आपको, सुसमाचार के, सभा के, विजय चिन्ह की नाई समक्ष लातेहै, यीशु के नाम में, आमीन।

124 क्या आप उस पर विश्वास करते है? परमेश्वर आपको आशिष दे। मेरी दायीं ओर, कितने लोग विश्वास करते है कि यही सच्चाई है, अपने हाथो को उठाये। कितने लोग बायीं ओर, अपने हाथ को उठाये। परमेश्वर आपको आशिष दे। जहाँ तक मै देख सकता हूं, हर एक जन करता है । यही सच्चाई है, मित्रो। परमेश्वर जानता है, यही सच है।

125 अब जब आप उसमें है, और उसमें रहे है, आप हर एकचीज के लिये पहुंच रखते है, जिसके लिये वो मरा।और वो किसके लिये मरा? "वो हमारे ही आपराधो के लिये घायल किया गया, वह हमारे अधर्म के कामों हेतु कुचला गया, हमारी ही शान्ती के लिये उसे ताडना पडी कि उसके कोडे खाने से हम चंगे हो जाये।क्या आप यह विश्वास करते है, उसकी प्रायश्चिता में ही अबहमारी चंगाई है? "

126 क्या हमारे बीच कोई बिमार है? उन्हें अपने हाथो को उठाने दे, दाये या बाये । बिमारी का बहुत बड़ा समुह है। मै बिमारों की पंक्ती को नही बुला सकता हूं। आप देखते है, मै पास... यहाँ ऊपर मंच पर नही आ सकते है। इसे करने के लिये कोई रास्ता नही है।

उनके पास बाहर दुसरे स्थानों में बिमारो के लिये प्रार्थना की सभाएं होती है, कलीसियाओ में और यहां –वहां, वहां भवन में।

मैं आपसे कुछ पुछने जा रहा हूं। वहां पर कितने विश्वासी है? अपने हाथों को उठाये। तो ठीक है। मै आपके लिये वचन का हवाला देने जा रहा हूं, जो मसीह है। यीशु ने संसार के लिएऔर कलीसिया के लियेअंतिम आज्ञा दी थी, मतलब उसने यह कहा, "यह चिन्ह उनके पीछे जायेंगे, जो विश्वास करते है; यदि वे अपने हाथो को बिमारो पर रखेगे, वे चंगे हो जायेंगे ।" कितने लोग जानते है कि मरकुस 16 ये सच है, "आमीन" कहे [सभा कहती है, "आमीन"—सम्पा।] तो ठीक है। मै आपसे कहता हूं, एक विश्वासी की नाई अपने हाथो को किसी पर रखे जो आपके सामने खडा है। बस अपने हाथो को किसी पर तो रखे, जो आपके सामने खडा है, और आइये हम में से हर एक जन अब तक दुसरे के लिये प्रार्थना करे। जो कोई भी आपके आसपास है, उस पर अपने हाथो को डाले ।

127 प्रभु, यहां मेरे सामने रुमालो का एक बक्सा है, छोटे कपडो के टुकडे है; कुछ बूढी माताऐ कही तो पडी हुयी मर रही है, एक बालक मृत्यु के करीब है, हर कही बिमार लोग है।हम बाइबल में पढते है, उन्होंने पौलुस की देह से रुमाल और कपडो को लिया, और उन्होने उसे बिमारो पर रख दिया; और दृष्ट आत्माऐ, और अशुध्द आत्माऐ, और बिमारियां और रोग, लोगोंमें से निकल गये। अब, प्रभु हम जानते है, हम सन्त पौलुस नही है, लेकीन हम जानते है कि आप अब भी वही यीशु है, जो परमेश्वर का नियोजीत किया हुआ आराधना का स्थान है । और अब, आज इन लोगों ने, उनके उसी विश्वास को स्वीकार किया है, वैसे ही विश्वास कर रहे है जैसे उन लोगों ने किया था । निश्चित रूप से आपने उनके लिये एक मार्ग को बनाया है! और मै अपने हाथों को इन रुमालों पर रखता हूं और मांगता हूं कि यह उन पर रखा जाये तो बिमारीयां और पीडाएं, लोगों के शरीर को छोड दे, यीशु मसीह के नाम में मांगते है।

128 अब हमने सिखा है, कि जब इस्त्राइल मिस्त्र से बाहर आ रहा था, अपने कर्तव्य में, वे अपने प्रतिज्ञा देश के रास्ते पर थे। लाल समुन्दर उनके मार्ग में आ गया। और परमेश्वर ने अग्नी के स्तम्भ में से होते हुये नीचे देखा और समुद्र डर कर पीछे हट गया और इस्त्राएल को प्रतिज्ञा देश के लिये निकलने दिया। ओ परमेश्वर, आज रात यीशु के लहु में से होकर नीचे देखिये, और होने पाये बिमारी पीछे हट जाये, और शैतान निकल जाये। और होने पाये लोग उस अच्छी सेहत और शक्ती की प्रतिज्ञा के लिए

होकरनिकले, जो परमेश्वर ने कहा, "वैसे ही तु सब बातों में उन्नती करे और भला चंगा करे।"

129 अब प्रभु यीशु जैसे आप वहां देखते है, इन लोगों ने एक दुसरे पर हाथो को रखा हुआ है, वे अपने विश्वास को व्यक्त कर रहे है, जो आपने कहा, "यह चिन्ह उनके पीछे जायेगे, जो विश्वास करते है।" वे अपने तरिके से एक दुसरे के लिये प्रार्थना कर रहे है। उनके बाजु का व्यक्ती उनके लिये प्रार्थना कर रहा है।

130 अब, प्रभु, इस चुनौती को दिया गया है, वो शैतान, जो बडा धोखबाज है, उसके पास कोई अधिकार नही है कि वो एक परमेश्वर के बच्चे को पकड के रखे । वो एक हारा हुआ जीव है। यीशु मसीह, एक मात्र आराधना का स्थान, केवल सच्चा नाम, उसने उसे कलवरी पर हराया। और हम अभी उसके लहु को दावा करते है, कि उसने हर एक बिमारी, हर एक रोग को पराजित किया है।

और मैं इन श्रोताओं को छोड़ने के लिए शैतान को आदेश देता हूँ। येशु मसीह के नाम में, इन लोगों में से बाहर निकल, और वे आजाद हो जाएँ।

131 हरएक जन जो लिखे हुये वचन के आधार पर अपनी चंगाई को ग्रहण करता है, अपने पैरो पर खडे होने के द्वारा अपनी गवाही को दे और कहे, "मैं अब अपनी चंगाई को यीशु मसीह के नाम में ग्रहण करता हूं।" अपने पैरो पर खडे हो जाये।

परमेश्वर की स्तुती हो! वही पर आप है। यहां पर देखे, लंगड़े और सबखड़े हो रहे है। परमेश्वर की स्तुती होवे। ऐसा ही है। केवल विश्वास करो। वो यहां पर है। कितना अद्भुत है!

132 बाहर श्रोतागणों में, जो टेलिफोन तार के द्वाराबाहर की ओर है, आपको देखना चाहिये! मै सोचता हूं, यहां हर एक व्यक्ती, जहां तक मै जानता हूं, या उनमें से ज्यादातर इस समय खडे हुये है। ओह, क्या ही अद्भुत समय है! प्रभु की उपस्थिती, यही है वो! "जहां पर प्रभु की उपस्थिती है, वहां आजादी है, वहां स्वंतत्र्यता है।" परमेश्वर का आत्मा हमें आजाद करता है।

133 अब जो चंगाई उसने हमें दी है, हम इसे विश्वास करते है। उसने हमें बचाया है; हम इसे विश्वास करते है। वे जो बपतिस्मा को लेना चाहते है वो पानी का तालाब तैयार है। किसी भी समय, कोई भी घडी आप आना चाहते है तो, कोई तो इसके लिए वहां पर उपस्थित होगा।

और अब मै सोचता हूं इससे पहले हम समाप्त करे, हमे वो कलीसिया का एक प्राचीन स्तुती का गीत गाना चाहिये, "मै उससे प्रेम करता हूं, मै उससे प्रेम करता हूं, क्योंकि उसने मुझे पहले प्रेम किया।" अपने हाथों को परमेश्वर के लिये उठाकर और इसे अपने पुरे ह्रदय से गाये!

हम आपसे यहां इसी इमारत में सुबह साढे नौ बजे मिलना चाहते है, *विवाह और तलाक* के विषय में। तो ठीक है।

अब आइये इसे एक साथ गाये।

मैं उससे प्रेम करता हूँ,

अब इसे यह भव्य श्रोतागण गाये! जो वहां बाहर तारो के जरिये जुडे है, वे भी इसे गाये।

क्योंकि उसने मुझे पहले प्रेम किया
और मेरे उध्दार को मोल लिया
उस कलवरी के पेड़ पर।

134 उसने इसे कहां किया था? कलवरी के पेड पर। जब हम इसे फिर से गाते है, मै आपके आस– पास खडे किसी के साथ तो हाथ मिलाना चाहता हूं, कहे, "यात्री, परमेश्वर आपको आशिष दे।"

मै... (... ? ...)

क्योंकि उसने पहले...
और मेरे उध्दार को मोल लिया
उस...

135 ओह, क्या आप उससे प्रेम नही करते? [सभा कहती है, "आमीन" सम्पा।] क्या वो अद्भुत नही है ["आमीन"]क्या वो आपके छिपने का स्थान है? ["आमीन"] वो एक तप्त भुमि में मेरी एक चट्टान है, आंधी के समय मेरी आड़ है, केवल एक ही सहारा, जिसे मै जानता हूं। इसलिये:

मेरा विश्वास तेरी ओर ऊपर देखता है,
तुझ कलवरी के मेम्ने को,
दैविक उध्दार कर्ता;

अब मुझे सुन जब मै प्रार्थना करता हूं,
मेरे सारे दोष को ले लेना,
आज के दिन से मै
पूर्ण रुप से तेरा बनूँ!

आइये अपने हाथो को उठाये जब हम इसे गाते है।

तुझ कलवरी के मेम्ने को,
दैविक उध्दार कर्ता;
अब मुझे सुन जब मै प्रार्थना करता हूं,
मेरे सारे दोष को ले लेना,
आज के दिन से मै
पूर्ण रुप से तेरा बनूँ!

आइये हम अपने सिरों को झुकाये जब हम इसे गुनगुनाते है।

जब जीवन के अन्धेरे उलझन के रास्ते में मै चलता हूँ
और दुख मेरे चारो ओर फैल जाते है,
आप मेरे नेतृत्व बनिये;
गहरे अन्धकार को दिन में बदलना,
मेरे दुख के आँसु को पोछे,
ना ही मुझे कभी भटकने देना
तुझ से दुर

जब आपने सिरों को झुकाया है, हमारे प्रिय पास्टर, भाई ऑरमन नेविल, श्रोतागण को बरखास्त करेंगे।

परमेश्वर का चुना हुआ आराधना का स्थान HIN65-0220

(God's Chosen Place Of Worship)

यह सन्देश भाई विलियम मेरियन ब्रंहम के द्वारा मूल रूप से इंग्लिश में शनिवार शाम, 20 फरवरी, 1965 को पार्क व्यु हाई स्कूल, जेफरसनविले, इंडियाना, यु.एस.ए में प्रचारित किया गया, जिसे चुम्बकीय टेप रिकॉर्डिंग से लिया गया है और इंग्लिश में विस्तृत छापा गया है । इस हिंदी अनुवाद को वोईस ऑफ गॉड रिकॉर्डिंग के द्वारा छापा गया और बाँटा गया है।

HINDI

©2017 VGR, ALL RIGHTS RESERVED

VOICE OF GOD RECORDINGS, INDIA OFFICE
19 (NEW NO: 28) SHENOY ROAD, NUNGAMBAKKAM
CHENNAI 600 034, INDIA
india@vgroffice.org

VOICE OF GOD RECORDINGS
P.O. BOX 950, JEFFERSONVILLE, INDIANA 47131 U.S.A.
www.branham.org

कोपी राईट सूचना

सारे अधिकार सुरक्षित है। यह पुस्तक व्यक्तिगत प्रयोग या मुफ्त में देने और एक औजार के समान यीशु मसीह का सुसमाचार फैलाने के लिये
घर के प्रिंटर पर छाप सकते हैं।

इस पुस्तक को बेचना, अधिक मात्रा में फिर से छापना, वेब साईट पर डालना, दुबारा छापने के लिये सुरक्षित रखना, दूसरी भाषाओं में अनुवाद करना या धन प्राप्ति के लिये निवेदन करना निषेध है। जब तक की वायस ऑफ गोड रिकार्डिंग कि लिखित अनुमति प्राप्त ना कर ली जाये।

अधिक जानकारी या दूसरी उपलब्ध सामग्री के लिये कृपया संपर्क करें:

वायस ऑफ गोड रिकार्डिंग्स

पोस्ट बोक्स 950 जैफरसन विले, इन्डियाना 47131 यू. एस. ए.

www.branham.org